वर्ष-3, अंक-65
इन्दौर मंगलवार
10 जून 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक

राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

सुविचार

भोजन के लिए अच्छे पदार्थों का उपलब्ध होना, उन्हें पचाने की शक्ति का होना, सुंदर स्त्री के साथ संसर्ग के लिए कामशक्ति का होना, प्रचुर धन के साथ-साथ धन देने की इच्छा होना। ये सभी सुख मनुष्य को बहुत कठिनता से प्राप्त होते हैं।

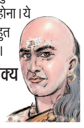

चाणक्य

मेघालय हनीमून मनाने गए राजा रघुवंशी हत्याकांड का खुलासा

सोनम 'राज' ने की राजा की हत्या, पांच आरोपी गिरफ्तार

प्रेमी के साथ मिलकर पति की दी सुपारी, शिलॉन्ग पुलिस ने सोनम को कस्टडी में लिया

- यूपी के गाजीपुर में सोनम ने ढाबे पर आकर भाई को लगाया फोन..पुलिस पहुंची
- हनीमून से मौत तक.. पत्नी सोनम ने प्रेमी संग रचा कत्ल का खेल
- राजा हत्याकांड.. प्यार में अंधी सोनम ने करवाया पति का कत्ल, अब बोली- मैं पीड़ित हूं

राज कुशवाहा

विशाल

आकाश

आनंद कुर्मी

इंदौर।

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हत्या के आरोप में उनकी पत्नी सोनम और 5 संदिग्धों को पकड़ा गया है। सोनम रविवार देर रात 3 बजे यूपी के गाजीपुर के एक ढाबे पहुंची थी। ढाबा संचालक ने पुलिस को सूचना दी। बाकी 5 आरोपियों को मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के साथ अलग-अलग जगह रात भर डाली गईं रेड में पकड़ा गया। एमपी के बीना से आनंद को, इंदौर से राज कुशवाहा, विशाल चौहान, आकाश राजपूत और उत्तरप्रदेश के ललितपुर से आकाश लोधी को हिरासत में लिया गया।

मेघालय एसआईटी के चीफ हर्बर्ट पिनियाड खारकोंगोर ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि राजा पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। उसके सिर पर दो चोटें आई थी। इस बीच शाम को मेघालय के शिलॉन्ग से दो लेडीज पुलिस अफसर गाजीपुर पहुंचीं हैं। सखी वन-स्टॉप सेंटर में सोनम रघुवंशी से पुलिस अफसरों की मुलाकात हुई। इसके बाद सोनम को अपनी कस्टडी में ले लिया। उसे शिलॉन्ग ले जाया जा रहा है।

यूपी के गाजीपुर के ढाबे पर पूछताछ करने पहुंची पुलिस

सोनम के परिवार का कहना है कि उनकी बेटी बेगुनाह है। राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी 23 मई को मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले के सोहरा क्षेत्र से लापता हो गए थे। 2 जून को राजा का शव एक खाई में मिला, जबकि उनकी पत्नी सोनम की तलाश जारी थी।

सोनम भी थी साजिश का हिस्सा

सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया, जब पता चला कि राजा की पत्नी सोनम भी इस साजिश का हिस्सा थी। पुलिस के अनुसार, सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाहा के साथ मिलकर इस हत्या को अंजाम दिया। हत्या के बाद सोनम ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में सरेंडर कर दिया, जिसने इस केस को और रहस्यमय बना दिया। सोनम की गिरफ्तारी के बाद उसके पिता ने दावा किया कि मेघालय पुलिस सोनम को फंसा रही है, उनकी बेटी बेकसूर है।

किसने किया था पहला वार?

पुलिस जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ कि इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड कोई और नहीं, बल्कि सोनम का बॉयफ्रेंड राज कुशवाहा था। इंदौर और मेघालय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में तीन आरोपियों विक्की ठाकुर, आनंद, और राज कुशवाहा को गिरफ्तार किया गया। सूत्रों के मुताबिक, आनंद ने राजा पर पहला वार किया। फिर बाकी आरोपियों ने मिलकर पूरी वारदात को अंदाज दिया। वहीं राज ने हत्या की पूरी योजना बनाई। वह लगातार सोनम के संपर्क में था और फोन पर हत्या की हर डिटेल ले रहा था।

काल डिटेल ने खोला राज

शिलांग पुलिस को कॉल डिटेल और शिलांग में सोनम और राजा के साथ नजर आने वाले तीन पर्यटकों का पता चला। हत्यारे जहां रुके थे, वहां से उनकी जानकारी एकत्र की और सारी जानकारी इंदौर पुलिस से साझा की। क्राइम ब्रांच ने शाम तक पूरा जाल बिछाया और रात को इंदौर से विक्की उर्फ विशाल चौहान, राज कुशवाह और आकाश राजपूत को गिरफ्तार कर लिया।

नैनो न्यूज

इंदौर में प्रदेश के सबसे ज्यादा कोरोना मरीज

इंदौर। मध्यप्रदेश में इस साल 65 से ज्यादा कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा (63ब) इंदौर में हैं। इनमें से दो कोरोना पॉजिटिव महिलाओं की मौतें भी इंदौर में ही हुई हैं। इनमें एक खरगोन की है। हालांकि, अधिकारियों ने इन दोनों की मौत का कारण अन्य वजह बताई है। अभी 25 से ज्यादा कोरोना एक्टिव मरीज हैं। इनमें एक मरीज एडमिट है, जिसे कैंसर है। सभी एक्टिव मरीजों में हल्के लक्षण हैं और स्थिति सामान्य है। अधिकारियों का कहना है कि घबराने जैसी स्थिति नहीं है। जबकि हकीकत यह है कि इंदौर में सरकारी अस्पतालों में परीक्षण सुविधा नहीं हैं। ऐसे में मरीजों को जांच के लिए प्राइवेट लैब और अस्पतालों में जांच करानी पड़ रही है।

राजेन्द्र सिंह भदौरिया बने इंदौर डी.पी.ओ.

इंदौर । म.प्र. शासन के आदेशानुसार राजेन्द्र सिंह भदौरिया इंदौर जिला अभियोजन संचालनालय में सहायक निदेशक अभियोजन/डी.पी.ओ. पद पर नियुक्त किया गया वह देवास से स्थानांतरण होकर इंदौर आये है। सोमवार को उन्होने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर अभियोजन अधिकारियों व कर्मचारियों ने उनका स्वागत कर शुभकामनाएं दीं। श्री भदौरिया के अनुभव से इंदौर में अभियोजन कार्यप्रणाली को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

खराब मौसम के कारण कल तक टला एक्सिओम-4 का प्रक्षेपण

बेंगलुरु। खराब मौसम के कारण आईएसएस जाने वाले अंतरिक्ष यान- एक्सिओम-4 का प्रक्षेपण 11 जून तक स्थगित कर दिया गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यह जानकारी दी है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने सोमवार शाम जारी बयान में कहा, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले यान-एक्सिओम-4 मिशन का प्रक्षेपण 10 के बदले 11 जून 2025 तक स्थगित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव मंच पर गिरत-गिरते बचे,लोगों ने संभाला

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव हादसे का शिकार होते होते बाल-बाल बचे। नरसिंहपुर जिले के गाड़रवाड़ा में मंच पर सीएम गिरते-गिरते बचे। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें संभाल लिया। जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव असंतुलित होकर मंच पर गिरते-गिरते बचे। यह घटना उस समय हुई जब वे एक दिव्यांग बच्ची से संवाद करते हुए उसके पास नीचे बैठने का प्रयास कर रहे थे। संतुलन बिगड़ने पर वे लड़खड़ा गए थे।

मोदी सरकार के सार्वजनिक सेवा में "स्वर्णिम काल"

केंद्रीय मंत्रियों ने मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने की सराहना की, उपलब्धियां गिनाईं

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल को सोमवार को सार्वजनिक सेवा में ''स्वर्णिम काल'' बताया, जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए अपने संकल्प में पूरी तरह से सुसज्जित और अडिग है।

मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने के अवसर पर अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने भी प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना की।

मोदी के कैबिनेट सहयोगियों और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सरकार के विभिन्न उपायों का उल्लेख किया, जबकि सिंह ने कहा कि भारत मजबूत, गौरवान्वित और एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है।

लोक जनशक्ति पार्टी के नेता एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने 'एक्स' पर कहा कि देश ने आर्थिक कायाकल्प, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया युग देखा है।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मोदी के ''दूरदर्शी नेतृत्व'' के तहत भारत ने सेवा, सुशासन और समावेशी विकास पर आधारित ऐतिहासिक परिवर्तन किया है।

उन्होंने कहा, ''महिलाओं, युवाओं और किसानों को सशक्त बनाने से लेकर बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवा के आधुनिकीकरण तक, भारत की प्रगति तेज और दूरगामी रही है। वैश्विक नेतृत्व, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था और लोगों को प्राथमिकता देने के दृष्टिकोण के साथ, भारत विश्व मंच पर ऊंचा स्थान रखता है।''

मंत्रियों ने मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सोशल मीडिया पोस्ट में 'सेवा के 11 साल' वाले हैशटैग का इस्तेमाल किया।

11 साल से प्रेस के सीधे सवालों का सामना नहीं किया

कांग्रेस ने प्रेस वार्ता नहीं करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, नौ जून (भाषा) कांग्रेस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि वह 'बिना पूर्व निर्धारित सवाल-जवाब' के प्रेस वार्ता नहीं करते। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर कहा, ''कल हमने प्रधानमंत्री को सत्ता में 11 साल पूरे होने के मौके पर पहली बार बिना पूर्व निर्धारित सवाल-जवाब वाली अनस्क्रिप्टेड प्रेस वार्ता करने की खुली चुनौती दी थी।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन आज सामने आए हैं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जिन्हें दोपहर 12 बजे प्रेस से बात करने के लिए भेजा गया है ताकि इन 11 वर्षों की उपलब्धियों का ढोल पीटा जा सके।'' उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री अब भी परहेज क्यों कर रहे हैं? क्या अब भी सवाल-जवाब रटने में समय लग रहा है या फिर ऐसे अनुकूल चेहरे तलाशे जा रहे हैं जो सवाल भी करें लेकिन पूरी आज्ञाकारी मुद्रा मे या फिर भारत मंडपम अब तक पूरी तरह तैयार नहीं हुआ?'' कांग्रेस के इन आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) या सरकार की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया था कि देश के शासनाध्यक्ष समय-समय पर संवाददाता सम्मेलन करते रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने 11 साल से प्रेस के सीधे सवालों का सामना नहीं किया है।

मेघा क्यों विक्रम अवार्ड से रहीं वंचित हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

जबलपुर।

माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली मध्य प्रदेश की पहली महिला मेघा परमार को वर्ष 2023 का विक्रम अवार्ड न मिलने का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। मेघा ने याचिका दायर कर दावा किया है कि उन्होंने 22 मई 2019 को सुबह 5 बजे माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहली बार कदम रखा था, जबकि छिंदवाड़ा की भावना डेहरिया उसी दिन 9.49 बजे वहां पहुंची थीं। इसके बावजूद राज्य सरकार ने केवल भावना को विक्रम अवार्ड देने का फैसला किया। हाईकोर्ट की वेकेशन बेंच के जस्टिस अमित सेठ ने सरकार को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। साथ ही मेघा को खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव को अवार्ड पर पुनर्विचार के लिए आवेदन देने की अनुमति दी है। भोपाल के अरेरा कॉलोनी निवासी मेघा परमार ने याचिका में कहा कि वह न केवल माउंट एवरेस्ट, बल्कि तीन अन्य चोटियों पर भी चढ़ चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने 2023 के विक्रम अवार्ड के लिए सिर्फ भावना डेहरिया का चयन किया, जो प्रदेश की पहली महिला पर्वतारोही के रूप में उनके योगदान की अनदेखी है। सोमवार को प्रारंभिक सुनवाई में मेघा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक कृष्ण तन्खा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मेघा और भावना, दोनों मध्य प्रदेश की बेटियां और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की ब्रांड एम्बेसडर हैं। तन्खा ने स्पष्ट किया कि वे भावना को मिले अवार्ड का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि मेघा को भी पहली पर्वतारोही होने के नाते यह सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने 2022 में भगवान सिंह कुशवाहा और रत्नेश पाण्डेय को एकसाथ अवार्ड दिए जाने का उदाहरण देते हुए दोनों बेटियों को सम्मानित करने की मांग की। वहीं, उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली ने कहा कि अवार्ड के लिए गठित समिति ने सभी पहलुओं पर विचार कर चयन किया है, इसलिए कोर्ट को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव और डायरेक्टर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। यह मामला प्रदेश में महिलाओं के सम्मान और उपलब्धियों को लेकर चर्चा का विषय बन गया है। अगली सुनवाई में सरकार के जवाब पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

मुंबई में लोकल ट्रेन से गिरे यात्री, 4 की मौत

मुंबई। मुंबई के मुंब्रा रेलवे स्टेशन के नजदीक सोमवार सुबह चलती लोकल ट्रेनों से 10 यात्री नीचे गिर गए। इनमें से 4 की मौत हो गई, जबकि 13 घायल हो गए। मरने वालों में जीआरपी कॉन्स्टेबल भी शामिल है। ये सभी ट्रेन के गेट पर खड़े थे। घटना सुबह 9.30 बजे मुंब्रा के आगे दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच हुई। ऑफिस टाइम होने के कारण ट्रेन में भीड़ ज्यादा थी, जिससे यह हादसा हुआ। रेलवे के मुताबिक संभवत: ये यात्री ट्रेनों के फुटबोर्ड से लटके हुए थे।

मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी, 7 शहरों में पारा 45 डिग्री पार,15 जून तक पहुंचेगा मध्य प्रदेश में मानसून

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस बार मौसम अपने अलग अलग तेवर दिखा रहा है। लगातार तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। सोमवार को जून में पहली बार प्रदेश के 7 शहरों में पारा 45 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। इससे पहले अप्रैल में इतनी गर्मी रही थी। जबकि 24 शहरों में तापमान 40 डिग्री या इससे ज्यादा रहा।

सोमवार को छतरपुर का खजुराहो शहर सबसे गर्म रहा। यहां पारा 45.8 डिग्री तक पहुंच गया। टीकमगढ़ में 45.4 डिग्री, ग्वालियर, नर्मदापुरम-सागर में 45.2 डिग्री, नौगांव और गुना में तापमान 45 डिग्री रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में सबसे ज्यादा 43.4 डिग्री, जबलपुर में 42.6 डिग्री, उज्जैन में 42 डिग्री और इंदौर में 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

80 करोड़ रुपये से अधिक के 135 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया

पूरे मध्यप्रदेश में सुगम बस योजना की होगी शुरूआत-मुख्यमंत्री

नरसिंहपुर।

प्रदेश के किसानों को कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम मेला भी लगाए जा रहे हैं। कृषि आधारित उद्योग लगाने वाले किसानों को 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी। कृषि उद्योग से जुड़े रोजगार परक कारखाने बनायेंगे, जहां काम करने वाले को 5 हजार रुपये महिने भी दिये जायेंगे। गाडरवाड़ा में गौशाला निर्माण किए जाने और प्रदेशवासियों को सुगम परिवहन सेवा भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव सोमवार को नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा में 80 करोड़ रूपये से अधिक के निर्माण और विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने रिमोट के माध्यम से 80 करोड़ 46 लाख 30 हजार रुपये के 135 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने 56 करोड़ 58 लाख 6 हजार रुपये के 67 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और 23 करोड़ 88 लाख 24 हजार रुपये के 68 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास के कार्यों में कोई कोर कसर नहीं रखी जायेगी। जिले के विकास के लिए मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह द्वारा जो प्रस्ताव दिए गए हैं, उन्हें पूर्ण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि वृहद स्तर पर सोलर पॉवर कनेक्शन प्रदाय किए जाएंगे, जिससे किसानों को बिजली की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य परिवहन निगम पुन: पूरे प्रदेश में बसों का संचालन करेगा। उन्होंने कहा कि सांईखेड़ा में 132 केव्ही का विद्युत सबस्टेशन बनेगा। उन्होंने 60 करोड़ रुपये की लागत से चीचली-सालीचौका 20 किमी सड़क बनाने की घोषणा की और 27 करोड़ रुपये की लागत से अर्जुनगांव से गाडरवारा 17 I50 किमी की सड़क बनाने की घोषणा की।

शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का किया सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कक्षा 10 वीं व 12 वीं में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में शामिल होने वाले विद्यार्थियों और शैक्षणिक कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों का भी प्रतिमात्मक रूप से सम्मानित किया गया।

पीएम 11 वर्ष पूर्ण होने मुख्यमंत्री ने दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के सफल 11 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य सरकार की ओर से उन्हें बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान का दौर भारत का स्वर्णिम काल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जो कार्य किये हैं वह, न भूतो न भविष्यति हैं। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है की वर्ष 2029 में भी देश को नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

संपादकीय

भीड़ में फंसा प्रबंधन: जिम्मेदार कौन ?

बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ऐतिहासिक जीत का जश्न जिस हर्षोल्लास से शुरू हुआ, वह कुछ ही पलों में भगदड़ और चीख-पुकार में बदल गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर उमड़े लाखों समर्थकों का हुजूम एक बार फिर उस कटु यथार्थ को सामने ले आया जिसे हम बार-बार अनदेखा करते रहे हैं–भीड़ प्रबंधन में हमारी विफलता। घायल लोगों की चीखें, रुंधती सांसें और कुछ की थमती धड़कनें सिर्फ एक दुर्घटना नहीं थीं, बल्कि उस व्यवस्था की असफलता की परछाई थीं, जो हर बार चेतावनी के बावजूद सचेत नहीं होती। सवाल वही पुराना है कि आख़िर जिम्मेदार कौन? क्योंकि 'भीड़' एक ऐसा शब्द है जो सुनने में सामान्य लगता है, लेकिन जब यह नियंत्रण से बाहर हो जाए तो एक भयावह शक्ति बन जाती है। भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या का घनत्व हर क्षेत्र में साफ दिखता है, वहां हर बड़ा आयोजन, चाहे वह धार्मिक हो, सांस्कृतिक हो या राजनीतिक, संभावित खतरे का पर्याय बन चुका है। मगर हैरानी इस बात की है कि हर बार, हर हादसे के बाद, हम एक जैसे सवाल पूछते हैं और फिर सबकुछ धीरे-धीरे भुला दिया जाता है। कोई भी भीड़ अचानक नहीं बनती। वह किसी उद्देश्य, भावना या आस्था के तहत एकत्र होती है। परंतु त्रासदी तब जन्म लेती है जब उसे नियंत्रित करने वाली व्यवस्थाएं या तो लचर होती हैं या पूरी तरह अनुपस्थित। हमारे देश में ऐसे आयोजन जिनमें भीड़ की संभावना पहले से होती है, उनके लिए कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई जाती या बनाई भी जाती है तो उसका पालन नहीं होता। प्रशासकीय योजनाएं फाइलों में सिमट जाती हैं, और धरातल पर मौजूद सुरक्षाकर्मी किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार नहीं होते। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि आयोजक खुद भीड़ को केवल एक संख्या के रूप में देखते हैं लाखों लोग आए थे कहने की होड़ में वे यह भूल जाते हैं कि इन लाखों के पीछे उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। वे न तो प्रवेश और निकासी के मार्गों की योजना बनाते हैं, न स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करते हैं और न ही किसी अनहोनी के लिए वैकल्पिक इंतज़ाम। वहीं प्रशासन कई बार या तो उदासीन बना रहता है या राजनीतिक दबाव में चुप्पी साध लेता है। आम नागरिक भी इस विफलता का हिस्सा हैं। वे आयोजन में भाग लेने को केवल एक सामूहिक उत्सव मानते हैं, जहां अनुशासन की कोई आवश्यकता नहीं समझी जाती। भीड़ में एक अफवाह, एक धक्का या एक अधीरता सैकड़ों जानों के लिए खतरा बन सकती है, पर यह चेतना अधिकांश लोगों में नहीं होती। सामूहिक जिम्मेदारी की इस कमी ने भीड़ को एक जीवंत, लेकिन बेकाबू शक्ति बना दिया है।आयोजनों को भव्यता की दौड़ से निकालकर विवेक और मानवीय गरिमा के दायरे में लाना अब अनिवार्य है। हर आयोजन के लिए एक स्वतंत्र निगरानी प्राधिकरण की स्थापना होनी चाहिए, जो केवल सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए उत्तरदायी हो। साथ ही नागरिकों को प्रशिक्षित और जागरूक किया जाना चाहिए कि वे भीड़ में संयम बनाए रखें, अफवाहों से बचें और ज़रूरत पड़ने पर सूझ-बूझ से काम लें। अगर हमने अब भी नहीं सीखा, तो हर आयोजन एक अनहोनी में बदलता रहेगा। हम तय करें कि हमें जश्न चाहिए या जन-संहार? जिम्मेदारी तय करनी होगी, योजनाओं को जमीन पर उतारना होगा और भीड़ को संख्या नहीं, जीवन के रूप में देखने की आदत डालनी होगी।

कश्मीर में रेल की कल्पना सदियों पुरानी

विनोद कुमार सिंह

कश्मीर में रेल की कल्पना सन 1892 में डोगरा महाराजाओं के विजन के साथ शुरू हुआ।एक सदी से भी अधिक पुराना यह स्वप्निल परियोजना हमारे भूवैज्ञानिक,स्थलाकृतिक और तार्किक चुनौतियों भरा था।यहाँ कि शिवालिक और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से कश्मीर घाटी तक ट्रेन चलाने की एक सदी से भी अधिक पुरानी महत्वाकांक्षी योजना है। सम्पूर्ण विश्व में भारत की पहचान विभिन्नता,विविधता की विशेषताओं से होती है।इसका उदाहरण कश्मीर से कन्या कुमारी तक दी जाती है।तभी तो कश्मीर को भारत माता की मुकुट कहीजाती है।आज फिर कश्मीर की चर्चा चहुँ दिशाओं हो रही है।हो भी क्यूँ नही,यह भारत की विकाश गति गाथा की है।जिनका शुभ शुभारम्भ व शंखनाद करने के लिए स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को 46000करोड़ रुपये से अधिक विकाश परियोजना ओं की सौगात देने पहुंचे थें।इस अवशर उन्होंने कहा कि यह पवित्र भुमि ÷वीर जोरावर सिंह जी की है,मैं इस धरती को प्रणाम करता हूँ।माता वैष्णो देवी के आशीर्वाद से आज कश्मीर रेल नेटवर्क से जुड़ गई है।कश्मीर से कन्याकुमारी अब रेलवे नेटवर्क के लिए भी हकीकत बन गया है।आज की हकीकत के पीछे की कहानी पर एक नजर डालते है। आपको बता दे कि कश्मीर में रेल की कल्पना सन1892 में डोगरा महाराजाओं के विजन के साथ शुरू हुआ।एक सदी से भी अधिक पुराना यह स्वप्निल परियोजना हमारे भूवैज्ञानिक,स्थलाकृतिक और तार्किक चुनौतियों भरा था।यहाँ कि शिवालिक और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से कश्मीर घाटी तक ट्रेन चलाने की एक सदीयों से भी पुरानी महत्वाकांक्षी परियोजना है।इनमें चिनाब नदी पर एक स्टील आर्च ब्रिज है जिसे भूकंप और हवा की स्थिति को झेलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।पुल का एक प्रमुख प्रभाव जम्मू और श्रीनगर के बीच संपर्क को बढ़ाना होगा।पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से,कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में मात्र तीन घंटे लगेंगे,जिससे वर्तमान यात्रा समय में दो-तीन घंटे की कमी आएगी।जम्मू-कश्मीर अभिलेखागार विभाग के विशेष दस्तावेजों के अनुसार,सन 1892 में डोगरा के महाराजा ने पहली बार कश्मीर तक रेल संपर्क का विचार रखा था।जिसे1898 में,शासक ने ब्रिटिश इंजीनियरिंग फर्म एसआर स्कॉट स्ट्रैटन एंड कंपनी को कश्मीर तक रेल मार्ग के लिए बीहड़ इलाके का सर्वेक्षण करने का काम सौंपा था।इस सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करने और उसे क्रियान्वित करने के लिए तीन ब्रिटिश इंजीनियरों को नियुक्त किया गया,लैकिन1898 से1909 के बीच 11वर्षों में तैयार की गई तीन में से दो रिपोर्टें अस्वीकार कर दी गई।डीए एडम द्वारा प्रस्तुत पहली रिपोर्ट में जम्मू और कश्मीर क्षेत्रों के बीच एक इलेक्ट्रिक रेलवे की सिफारिश की गई थी,जिसमें दो फीट छह इंच की एक संकरी लाइन पर भाप इंजन लगे होंगे।इस चुनौती पूर्ण ऊंचाई स्तरों के कारण इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया था।सन 1902 में डब्ल्यूजे वेटमैन द्वारा प्रस्तुत एक अन्य प्रस्ताव में झेलम नदी के किनारे एबटाबाद(अब पाकिस्तान में)से कश्मीर को जोड़ने वाली रेलवे लाइन का सुझाव दिया गया था,इसे भी अस्वीकार कर दिया गया।हालांकि,वाइल्ड ब्लड के तीसरे प्रस्ताव में रियासी क्षेत्र से होकर चेनाब नदी के किनारे रेलवे लाइन बिछाने की सिफारिश की गई थी।अन्तत इस रिपोर्ट को मंजूरी दे दी गई।उधमपुर,रामसू और बनिहाल के पास बिजली से चलने वाली ट्रेनों को चलाने और बिजलीघर स्थापित करने की कई योजनाओं की भी जांच की गई,लेकिन अंततः उन्हें खारिज कर दिया गया।हालांकि,कई बार खारिज किए जाने के बाद, ब्रिटिश इंजीनियर कर्नल डी.ई. बोरेल को आखिरकार स्थानीय कोयला भंडारों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया।इसके अलावा,भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण(जीएसआई)के तत्कालीन उप अधीक्षक टीडी ला टच से संगरमार्ग और महोगला कोयला खदानों पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कराई गई थी।कई अस्वीकृतियों के बाद एक सकारात्मक विकास को चिह्नित करते हुए, दिसंबर1923 में, एसआर स्कॉट स्ट्रैटन एंड कंपनी को कोयला निष्कर्षण परियोजना को लागू करने के लिए फिर से नियुक्त किया गया।हालांकि दस्तावेजों में कहा गया है कि 1925 में महाराजा प्रताप सिंह की मृत्यु और बढ़ते भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के कारण परियोजना को स्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया।इस यात्रा में उम्मीद की एक किरण छह दशक बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1983 में पुनः प्रयास जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर रेलवे लाइन की आधारशिला रखी।जिससे यह महत्वाकांक्षी परियोजना को नव जीवन मिला।सुत्रों के अनुसार,उस समय इस मेगा प्रोजेक्ट की लागत करीब 50 करोड़ रुपये आंकी गई थी और इसे पांच साल में पूरा किया जाना था।हालांकि,अगले 13 सालों में बजट बहुत बढ़ गया क्योंकि केवल11किलोमीटर लाइन का निर्माण किया जा सका,जिसमें 300 करोड़ रुपये की लागत से 19 सुरंगें और 11पुल शामिल थे।यह परि योजना बाद में व्यापक उधमपुर -कटरा-बारामूला रेलवे परियोजना में बदल गई,जिसकी अनुमानित लागत 2,500 करोड़ रुपये थी,जिसकी आधारशिला 1996 और 1997 में प्रधानमंत्रियों एचडी देवेगौड़ा और आईके गुजराल ने उधमपुर,काजीगुंड और बारामूला में रखी थी।इस परियोजना का निर्माण कार्य 1997 में शुरू हुआ।यह कार्य भूवैज्ञानिक,स्थलाकृतिक और मौसम संबंधी स्थितियों के कारण चुनौती पूर्ण था।जिसके कारण देरी हुई,जिससे लागत 43,800 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लाइन (यूएसबीआरएल)को इसके सामरिक महत्व को देखते हुए राष्ट्रीय परि योजना घोषित किया गया था।272 किमी लंबे खंड में से 209 किमी पहले ही चरणों में चालू हो चुका है,जिसमें 2009 में काजीगुंड- बारामूला,2013 में बनिहाल- काजीगुंड,2014 में उधमपुर-कटरा और 2023 में बनिहाल-संगलदान शामिल है।हमारे इंजीनियरिंग के इस चमत्कार में कश्मीर रेल परियोजना के साथ 38 सुरंगें और 927 पुल शामिल हैं,जिनमें चिनाब पुल सबसे खास है,जो एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है और नदी तल से 359 मीटर ऊपर है।यह दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है।इस बहु प्रतिक्षित परियोजना प्रारम्भ होने से ना केवल जम्मु कश्मीर के लोगों लाभ होगा बल्कि कशमीर में आने वाले शैलानी के संग श्रद्धालुओं को फायदा होगा।नए रोजगार के अवसर मिलेंगे।इस मौके पर मुझे एक प्रचलित कहावत याद आ रही है - कौन कहता है कि आशमा में सुराग नही होता,एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों ।

(स्वतंत्र पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बढ़ते प्रदूषण में यज्ञ परम्परा का योगदान

यज्ञ हमारी भारतीय संस्कृति में वैदिक काल से चला आ रहा एक धार्मिक और आध्यात्मिक अनुष्ठान है। यज्ञ परम्परा का वर्णन हमारे प्राचीन वैदिक ग्रन्थों तथा ब्राह्मण ग्रन्थों में सविस्तार उपलब्ध होता है। सर्वाधिक वर्णन यजुर्वेद में प्राप्त होता है। प्राचीन समय में प्राकृतिक विपदाओं से बचने, अपनी मनोकामनाओं को पूर्ण करने और तत्कालीन प्राकृतिक देवताओं को प्रसन्न करने के लिए बहुतायत से यज्ञ किए जाते थे। धार्मिक ग्रन्थों के अनुसार ब्रह्माजी ने मानव को सहयोग देकर यज्ञ परम्परा को प्रारम्भ किया। ऋग्वेद में कहा गया है अग्निमीडे पुरोहितं।' अग्नि को यज्ञ के मुँह की संज्ञा दी गई है अतः अग्नि में आहूति दी जाती है। यज्ञ ही विद्वानों के अनुसार श्रेष्ठतम कर्म है। गायत्री को माता तथा यज्ञ को पिता कहा गया है। विद्वानों ने यह भी कहा है यज्ञो वै विष्णुः।' वैदिककालीन प्राकृतिक शक्तियाँ जिन्हें देवत्व का स्वरूप दिया गया-

1. अग्नि - अग्नि के मुँह के रूप में स्वीकार किया गया। इसी में यज्ञ की बलि दी जाती है।

2. इन्द्र - इन्हें युद्ध का देवता माना जाता था। वर्षा और आकाशीय विद्युत के वे संवाहक थे।

3. सोम - यह एक प्रकार का औषधीय पौधा है। इससे एक पेय पदार्थ तैयार कर इसे इन्द्र को समर्पित किया जाता था। वर्तमान में भी सोम यज्ञ में इस प्रकार के पेय का निर्माण करते समय उसमें विभिन्न प्रकार की जड़ी बूटियों का मिश्रण कर यज्ञ किया जाता है।

4. सूर्य - इससे सृष्टि को प्रकाश और ऊर्जा प्राप्त होती है, इसलिए यह इनका देवता है।

5. वायु - हवा का देवता है।

6. मरुत - तूफान के देवता हैं। इनके कुपित होने पर हाहाकार मच जाता है।

7. अश्विनी कुमार - इनकी संख्या दो है। ये सभी के चिकित्सक और शल्य क्रिया विशेषज्ञ माने गए हैं।

8. उषा - ये भोर (प्रातःकाल, विद्वान) की देवी हैं।

9. पृथ्वी - इसे भूमि की देवी की संज्ञा दी गई है।

10. अदिति - इन्हें देवताओं की माता माना गया है।

11. पूषण - ये पशुओं के देवता माने गए हैं।

ये सभी दैवीय शक्तियों के देवता हैं। इनमें से कुछ ऋग्वेदीय देवता तथा कुछ उत्तर वैदिककालीन देवता हैं।

यज्ञ में उपयोग की जाने वाली सामग्री - गाय का शुद्ध घी, कपूर, जौ, तिल, गूगल, चन्दन चूर्ण, जड़ी बूटी आदि। समिधा- पलाश, चन्दन, आम, गूलर, बड़ आदि पवित्र वृक्षों की लकड़ियों का यज्ञ में हवन करते समय उपयोग किया जाता है जिन्हें समिधा कहते हैं। यज्ञ वेदी का निर्माण या हवन पात्र, गाय का शुद्ध घी, शहद, शकर या मिश्री, कलश, आम्र पत्र, रांगोली, लाल वस्त्र, दीपक, मौली, रोली, अक्षत, पूजन सामग्री, ताम्बूल, लकड़ी का लम्बा चम्मच, जिसे स्त्रुआ कहते हैं। बैठेने के आसन और ताम्रपत्र।

यज्ञ से लाभ - यज्ञ में विभिन्न सामग्री की आहूति देने से जो धुआँ उठता है वह पर्यावरण को शुद्ध करता है। वातावरण में फैली अशुद्धियों को शुद्ध करता है। मलमूत्र की गंध को शुद्ध करता है। सूक्ष्म कीटाणुओं को नष्ट करता है। वातावरण में फैली अशुद्धि को शुद्ध करता है। मृत जीव जन्तुओं से फैली अशुद्धि को दूर करता है। आचार्य मनु का कथन है कि यज्ञ एक चिकित्सकीय पद्धति है। यह सरल और उपयोगी है। इससे रोगों के विषाणु नष्ट होते हैं। विषैली गेसें नष्ट होती हैं। यज्ञ वर्षा में भी सहायक है। मनु महाराज आगे कहते हैं- ऋषि यज्ञं, देवयज्ञं भूतयज्ञं च सर्वदा। नृपयज्ञं पितृयज्ञं च यथाशक्तिः समाचरेत।'

वर्तमान समय में अत्यधिक प्रदूषण फैला हुआ है।

कविता

सेर से दूर

सेर की रोनकहोण से घणी दूर,
सेर की अकड़होण से घणी दूर,

सेर की तपस होण से घणी दूर,
सेर की भीड़ होण से घणी दूर,
चला गाम की ठंडी छाय माय ।

सेर की चकपक से घणी दूर,
सेर की गच-पच से घणी दूर,
सेर की झकझक से घणी दूर,
सेर की लपझप से घणी दूर,
चला गाम की ठंडी छाय माय ।
सेर की चेल-पेल से घणी दूर,
सेर की रेलमपेल से घणी दूर,
सेर की जेल बेल से घणी दूर,
सेर की केल बेल से घणी दूर,
चला गाम की ठंडी छाय माय ।
सेर की भागाभागी से घणी दूर,
सेर की जोड़-तोड़ से घणी दूर,
सेर की? होड़ हाड़ से घणी दूर,
सेर की हुड़-हुड़ से घणी दूर,
चला गाम की ठंडी छाय माय ।
सेर की कचरपचर से घणी दूर,
सेर की चकरचकर से घणी दूर,
सेर की अकड़जकड़ से घणी दूर,
सेर की अगर-मगर से घणी दूर,
चला गाम की ठंडी छाय माय ।
सेर की अनबन से घणी दूर,
सेर की भनभन से घणी दूर,
सेर की जलबळ से घणी दूर,
सेर की चमचम से घणी दूर,
चला गाम की ठंडी छाय माय ।

सेर की जल-भुन से घणी दूर,
सेर की गुम-सुम से घणी दूर,
सेर की कुन-मुन से घणी दूर,
सेर की टुन?-टुन से घणी दूर,
चला गाम की ठंडी छाय माय ।
सेर की किचपिच से घणी दूर,
सेर की चिकचिक से घणी दूर,
सेर की रिक- रिक से घणी दूर,
सेर की मीन? मेख से घणी दूर,
चला गाम की ठंडी छाय माय ।

सेर की झोलझाल से घणी दूर,
सेर की गोलमाल से घणी दूर,
सेर की पोल-पाल से घणी दूर,
सेर की टोक टाक से घणी दूर,
चला गाम की ठंडी छाय माय ।

व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग, फाइनेंस, एनर्जी और आई टी शेयरों में आई तेजी से बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 256 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,445.21 पर बंद हुआ।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई पर निफ्टी 0.40 फीसदी बढ़कर 25,103.20 पर बंद हुआ.आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जियो फाइनेंशियल, ट्रेंट के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन कंपनी, एमएंडएम, भारती एयरटेल के शेयर नुकसान में रहे। रियल्टी के अलावा शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए. जिनमें आईटी, पीएसयू बैंक 1-1 फीसदी ऊपर रहे।

बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी की बढ़त रही। बाजार में उत्साह का माहौल आरबीआई के रेपो दर में 50 आधार अंकों और सीआरआर में 100 आधार अंकों की कटौती करने के कारण दुनिया भर के बाजारों में पड़े प्रभाव से आया है। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.92 फीसदी की तेजी के साथ 38,088 पर और कोरिया का कोस्पी 1.55 फीसदी बढ़कर 2,855 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.63 फीसदी की बढ़त के साथ 24,181 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.43 फीसदी की तेजी के साथ 3,399 पर बंद हुआ। ऑस्ट्रेलियाई बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद हैं। अमेरिकी बाजारों में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए। उम्मीद से बेहतर गैर-कृषि पेरोल डेटा ने आर्थिक मंदी की आशंकाओं को कम करने के चलते वॉल स्ट्रीट में तेजी आई। डाऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.05 फीसदी की वृद्धि हुई, एसएंडपी 500 में भी 1.03 फीसदी की वृद्धि हुई तथा नैस्डैक कंपोजिट में 1.20 फीसदी की तेजी आई। इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। रिजर्व बैंक के रेपो रेट में 0.5 फीसदी की बड़ी कटौती और कैश रिजर्व रेश्यो घटाने के फैसले का भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सुबह सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,574.55 अंक पर खुला। खुलते ही इसमें तेजी देखी गई। शुरुआत के बाद यह 314.82 अंक बढ़कर 82,503.81 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 25 हजार के पार खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 91.05 अंक की बढ़त लेकर 25,111 पर कारोबार कर रहा था।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.67 पर बंद हुआ। आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के दौरान सोमवार को रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ 85.72 प्रति डॉलर पर आ गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में आधा फीसदी की बड़ी कटौती से शुरुआत में रुपये को कुछ फायदा हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.61 प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि, बाद में यह चार पैसे के नुकसान के साथ 85.72 प्रति डॉलर पर आ गया। शुक्रवार को रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह अन्य मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ 99.02 पर कारोबार कर रहा था।

सोने-चांदी के भाव में गिरावट !

नई दिल्ली । सप्ताह के पहले दिन सोमवार को कारोबार के शुरुआत में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। चांदी के भाव मामूली तेजी के साथ खुलने के बाद लुढ़क गए। सोने के भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। घरेलू बाजार में सोने के भाव 96,400 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,05,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 176 रुपये की गिरावट के साथ 96,860 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,036 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 638 रुपये की गिरावट के साथ 96,398 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट एक रुपये की मामूली तेजी के साथ 1,05,460 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,05,459 रुपये था। इस समय यह 220 रुपये की गिरावट के साथ 1,05,239 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद लुढ़क गए।

सेंसेक्स की प्रमुख नौ कंपनियों के मार्केट कैप में एक लाख करोड़ का उछाल

शीर्ष 10 कंपनियों में केवल टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ही पिछड़ गई

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह शीर्ष 10 सूचीबद्ध कंपनियों में नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1,00,850.96 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक ने सबसे ज्यादा बढ़त हासिल की। शीर्ष 10 कंपनियों में केवल टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ही पिछड़ी रही। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड को लाभ हुआ।रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 30,786.38 करोड़ रुपये बढ़कर 19,53,480.09 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 26,668.23 करोड़ रुपये बढ़कर 15,15,853.85 करोड़ रुपये पर रहा। बजाज फाइनेंस ने 12,322.96 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका मूल्यांकन 5,82,469.45 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 9,790.87 करोड़ रुपये बढ़कर 10,41,053.07 करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में टीसीएस का मूल्यांकन 28,510.53 करोड़ रुपये घटकर 12,24,975.89 करोड़ रुपये रह गया।

राजा रघुवंशी हत्याकांड : आरोपियों को आज फ्लाइट से शिलांग ले जाएंगे

पोस्टमार्टम में राजा के सिर पर धारदार हथियार से हमला, दो चोटें

इंदौर।

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हत्या के आरोप में उसकी पत्नी सोनम रघुवंशी को मेघालय पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है। सोनम को गाजीपुर के वन स्टाप सेंटर में रखा गया था। उसे शिलॉन्ग ले जाया जा रहा है।

इधर, इस मामले में इंदौर से गिरफ्तार तीन आरोपियों राज कुशवाहा, विशाल चौहान, आकाश राजपूत को कोर्ट में पेश किया गया। यहां कोर्ट ने उन्हें मेघालय पुलिस की टीम को 7 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर सौंप दिया है।

इंदौर के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि बीना से पकड़ाया गया आरोपी आनंद कुर्मी सोमवार शाम तक इंदौर नहीं पहुंचा पाया है। उसे मंगलवार सुबह कोर्ट पेश किया जाएगा। चारों आरोपियों को सुबह फ्लाइट से शिलॉन्ग लेकर जाया जाएगा। मेघालय एसआईटी के चीफ हर्बर्ट पिनियाड खारकोंगोर ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि राजा रघुवंशी पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। उसके सिर पर दो चोटें आई थी।

चौथा आरोपी बीना से गिरफ्तार

हत्या के चौथे आरोपी आनंद को पुलिस ने बीना से गिरफ्तार किया है। मामले में मेघालय पुलिस ने सागर पुलिस को सूचना दी। बीना के एसडीओपी नित्श पटेल ने बसाहरी से आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी रविवार को ही अपने चाचा भगवानदास के घर पहुंचा था। पुलिस का कहना है कि आरोपी आनंद कुर्मी इंदौर में

अपने भाई के साथ रहता था और वहां मुख्य आरोपी राज कुशवाह के संपर्क में आया था।

सरेंडर के सिवा कोई चारा नहीं था सोनम के पास

सोनम रघुवंशी हत्यारों के संपर्क में थी, जैसे ही उसे पता चला कि हत्या में शामिल तीनों साथी गिरफ्तार हो चुके हैं तो फिर उसके पास भी सरेंडर होने के सिवा कोई चार नहीं बचा। 16 दिन तक लापता रहने वाली सोनम अचानक रात को गाजीपुर पहुंची और रात एक बजे अपने भाई गोविंद को कॉल कर गाजीपुर में होने की जानकारी दी। इसके बाद भाई ने यूपी पुलिस से संपर्क किया और सोनम को ढाबे से पुलिस ने अपनी गिरफ्त में ले लिया।

सोनम के घर आता जाता था राज

बताया जा रहा है कि राज कुशवाह मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। वह कुछ सालों से देवी सिंह के यहां काम कर रहा था। विश्वसनीय होने के चलते उसका घर भी जाना जाना था। जिस दिन राजा रघुवंशी की डेड बॉडी इंदौर आई थी। उस दिन राज कुशवाह भी मौके पर मौजूद था। वह राजा के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुआ था।

राजा के अंतिम संस्कार के दिन घर आया राज, पिता को दिया था सहारा

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में जिन 5 संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में लिया है, उनमें राज कुशवाहा भी शामिल है। राज सोनम के पिता की दुकान पर काम करता था। राज कुशवाहा का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें वह सोनम के पिता देवी सिंह को सहारा देते नजर आ रहा है। ये वीडियो राजा के अंतिम संस्कार के दिन का बताया जा रहा है। सोनम के पिता देवी सिंह ने बताया कि राज दो दिन पहले हमारे घर आया था, उसने सबसे बातचीत भी की, लेकिन हमें पता नहीं चल पाया कि वह सोनम के साथ था या नहीं। कभी उस पर शक नहीं हुआ कि वह हत्याकांड में शामिल होगा। वह राजा के अंतिम संस्कार में पड़ोसियों को गाड़ी में लेकर पहुंचा था।

राजा रघुवंशी को सुनसान जगह ले गई सोनम

शिलांग पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, सोनम और राज कुशवाहा ने मिलकर हत्या की प्लानिंग की। इसमें राज ने कॉन्ट्रैक्ट किलर्स को हायर किया। राज शिलांग नहीं आया, वो फोन पर ही संपर्क में था। तीन कॉन्ट्रैक्ट किलर आकाश, विशाल और आनंद शिलांग में ही मौजूद थे। इसके बाद सभी चेरापूंजी पहुंचे। सोनम, राजा रघुवंशी को लेकर सुनसान रास्ते पर जानबूझकर गई, जहां तीनों ने मिलकर हत्या की।

हत्यारिन नहीं पीड़ित हूं।।। सोनम रघुवंशी का पुलिस के सामने चौंकाने वाला दावा

मेघालय में हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या कराने के आरोप में गिरफ्तार सोनम रघुवंशी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने खुद को पीड़ित बताया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सोनम ने पूछताछ में दावा किया कि वह कोई हत्यारिन नहीं, बल्कि खुद एक पीड़ित है। उसने दावा कि उसे अगवा किया गया था और अपहरणकर्ताओं ने ही उसे गाजीपुर लाकर छोड़ा था

मां ने कहा- बेटा घूमने नहीं जाना चाहता था

राजा की मां उमा के मुताबिक शादी के बाद 4 से 5 दिन तक सोनम हमारे यहां रही। घर में शिलॉन्ग जाने की कोई बात नहीं हुई थी। राजा घूमने नहीं जाना चाहता था। वह बहुत व्यस्त था। सोनम ने घूमने की इच्छा जाहिर की तो भी राजा ने मना कर दिया था। लेकिन सोनम ने खुद ही कामाख्या देवी के दर्शन के लिए टिकट बुक कर दिया था। इसके बाद उसने बेटे राजा को यह बात बताई। राजा ने मुझे बताया तब मैंने भी हां कह दी, लेकिन मुझे आश्चर्य तब हुआ जब सोनम ने रिटर्न का टिकट नहीं कराया।

मैंने यह बात राजा से भी कही, पर राजा ने बताया कि पांच-छह दिन में आ जाएंगे। उसने राजा से खासकर सोने की चेन पहनकर चलने को कहा था। उमा ने आगे कहा कि सोनम इतनी मीठी बातें करती थी कि कभी शक नहीं हुआ। अगर वह दोषी साबित होती है तो उसे मौत की सजा दो।

हत्या की रात क्या हुआ था ?

- 22 मई को राजा और सोनम शिलांग के मावलखियात गांव पहुंचे और वहां से नोंग्रियाट गांव में मशहूर लिविंग रूट ब्रिज देखने गए। दोनों ने रात एक होमस्टे में बिताई। -23 मई की सुबह 6 बजे दोनों ने होटल से चेकआउट किया और किराए की स्कूटी पर सैर के लिए निकले। इसके बाद दोनों रहस्यमय ढंग से लापता हो गए।
- 24 मई की रात को उनकी स्कूटी ओसारा हिल्स की पार्किंग में लावारिस हालत में मिली, जो होमस्टे से 25 किलोमीटर दूर थी।
- 28 मई को जंगल में दो बैग मिले, जिनकी पहचान राजा और सोनम के भाई ने की। उसी दिन वेइसाडोंग फॉल्स की एक गहरी खाई में राजा का शव बरामद हुआ, जिसके पास एक खून से सना दाओ (खासी जनजाति का हथियार) और सोनम के कपड़े मिले।
- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने खुलासा किया कि राजा को बेरहमी से पीटा गया और चाकू से वार कर उसकी हत्या की गई।

न्यूज ब्रीफ

बहन को भगाकर ले जाने का आरोप लगाकर पीटा

इंदौर। एक युवक पर बहन को भगाकर ले जाने का रोप लगाते हुए उसकी पिटाई कर दी गई। युवक किसी भी लड़की को भगाकर ले जाने से इंकार करता रहा लेकिन आरोपियों ने उसकी एक न सुनी और जमकर मारपीट कर डाली। बाणगंगा गोविंद कालोनी निवासी दीपक पिता पुरूषोत्तम नागर की शिकायत पर जितेंद्र सूर्यवंशी,अमन सेन व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। फरियादी दीपक ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि मेरे घर के बाहर कुछ लोग आए जिनका मैं नाम नहीं जानता हूं और वो आपस में एक दूसरे का नाम जितेंद्र सूर्यवंशी और अमन सेन बोल रहे थे और बोले कि तुम मेरे बहन को भगा कर ले गए तो मैंने कहा कि मैं किसी लड़की को भगा कर नहीं ले गया। इसी बात को लेकर वो लोग मुझे गालियां देने लगे। जब मैंने गालियां देने से मना किया तो जितेंद्र सयूर्वंशी और अमन सेन बोल रहे थे और बोले कि तुम मेरे बहन को भगा कर ले गए तो मैंने कहा कि मैं किसी लड़की को भगा कर नहीं ले गया। जब मैंने गालियां देने से मना किया तो जितेंद्र सूर्यवंशी, अमन सेन व उसके साथी हाथ मुक्के, बेल्ट और लात से मारा जिससे मेरे नाक, बायीं आंख,सिर और बायें पैर में चोट आई है।

पति की हत्या, पत्नी हिरासत में, युवक की तलाश

इंदौर। चौकीदारी करने वाले एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी को हिरासत में लिया है। आरोप है कि उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की है। पुलिस अब युवक मामले में युवक की तलाश कर रही है सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य पटले ने बताया कि घटना स्कीम नंबर 78 की है। यहां पिछले कुछ दिनों से मृतक गगन केवट अपनी पत्नी और एक युवक के साथ रहता था। तीनों एक ही कमरे में रहते थे। तीनों यहां निर्माणाधीन मकान में चौकीदार करते थे। सोमवार सुबह तीनों ने साथ खाना खाया, इसके बाद चौकीदारी करने जा रहे थे। तभी किसी बात पर तीनों में विवाद हो गया। विवाद के चलते युवक और पत्नी ने पति के साथ मारपीट की। युवक ने तैश में चाकू से हमला कर दिया। गंभीर घायल होने पर प्रेमी वहां से भाग निकला और महिला अपने पति को लेकर एमवाय अस्पताल पहुंची, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

सर्पदंश से गई युवक की जान

इंदौर। आरटीओ रोड नायता मुंडला इलाके में रहने वाले एक युवक को सांप ने काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजन युवक को अस्पताल की जगह आष्टा लेकर गए, जहां झाडफूंक करवाना था, तभी रास्ते में युवक ने दम तोड़ दिया। सोमवार सुबह चार बजे आरटीओ रोड स्थित अमलतास मल्टी के सामने रहने वाले अजय सामेर को सांप ने काट लिया, जिसके बाद परिजन उसे अस्पताल के बजाए आष्टा झाडफूंक करवाने ले गए। इसी दौरान अजय ने रास्ते में दम तोड़ दिया। परिजन महेंद्र राजपूत ने बताया कि अजय ड्रायवर है। परिजन आष्टा से उसके शव को लेकर इंदौर पहुंचे। देश में प्रसिद्ध सांप पकड़ने वाले मुरली वाले हौसला को सांप ने काट लिया था। रेस्क्यू के दौरान सांप ने काटा तो वह तुरंत अस्पताल पहुंचे। दो मिनिट के हेरफेर में वे अस्पताल पहुंच गए तो उनकी जान बच गई।उनका कहना था कि समय पर अस्पताल चले जाए तो जान बच सकती है। झाडफूंक के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए।

नारकोटिक्स विंग ने की कार्रवाई ...

68 किलो डोडा चूरा के साथ पकड़ाया आरोपी

बस में चढ़ा रहा था तस्करी का माल

नारकोटिक्स विंग की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्त में लेकर उसके पास से करीब 68 किलो डोडा चूरा बरामद किया है। आरोपी तस्करी का माल बस में चढ़ा रहा था, तभी विंग ने कार्रवाई कर दी। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि बस से रीवा माल भेजना था उसे तो बस में माल चढाने के पांच सौ रुपए मिलते थे।

नारकोटिक्स टीआई वरसिंह को खबर मिली थी कि तीन इमली बस स्टैंड ब्रिज के नीचे डोडा चूरा उतारा जाना है। उन्होंने टीम बनाकर भेजी। टीम में सहायक उपनिरीक्षक विजय मिश्रा, हवलदार ओमप्रकाश राठौर,पकंज ,अमित सोलंकी थे। टीम के लोग ब्रिज के नीचे अलग अलग जगह खड़े होकर नजर रखने लगे। इसी बीच कार आई और उसमें से तीन बोरे मजदूर ने उतारकर रखे और पलभर में ही कार चालक निकल गया। नारकोटिक्स की टीम ने बोरे उतारने वाले को पकड़ा। बोरे की तलाशी ली तो उसमें डोडा चूरा भरा था। डोडा चूरा के साथ पकड़ाए युवक का नाम शेख मंजूर शेख निवासी ममता कालोनी खजराना है।

उसने कबूला कि इंदौर-सतना-रीवी बस में बोरे चढाने थे। रीवा में बोरे उतारे जाते। बोरे चढाने के उसे 500 रूपए मिलते। पहले भी वो सात आठ बार बोरे चढ़ा चुका है। उसका कहना है कि कार चालक उसे हर बार यहीं आकर मिलता है। उसका नाम और मोबाइल नंबर नहीं मालूम है। नारकोटिक्स पुलिस को शक है कि आरोपी कुछ छुपा रहा है। नारकोटिक्स की टीम मौके के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज निकाल रही है। इससे कार का नंबर पता चलेगा और तस्कर तक टीम पहुंच पाएगी। शेख का पुराना रिकार्ड भी पता किया जा रहा है।

पंडित से किया विवाद, मारपीट कर फाड़ दिया कुर्ता

इंदौर। शादी की पूजा कराने के लिए पहुंची पंडित का दक्षिणा की बात पर विवाद हो गया। इसके चलते आरोपियों ने न केवल मारपीट की, बल्कि कुर्ता भी फाड़ दिया। मामले लसूड़िया पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार परदेशीपुरा में रहने वाले महेंद्र की रिपोर्ट पर पकंज ,गौतम और उसके रिश्तेदारों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। महेंद्र ने बताया कि उनके परिचित कात्यानी मिश्रा के यहां लड़की की शादी की पूजा के लिए अनंत वाटिका महालक्ष्मी नगर गया था। यहां पर पकंज,गौतम और उसके रिश्तेदारों ने पंडितजी के साथ बदसलूकी कर दी। दक्षिणा की बात पर उन्होंने गालियां बकीं,तो उन्होंने एतिराज जताया। इस पर आरोपियों ने पंडितजी के साथ मारपीट करते हुए उनका कुरता भी फाड़ दिया। शादी में हंगामा होने के बाद पंडितजी ने थाने में शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई।

इंदौर बना स्टार्टअप्स का नया महाकुंभ, 65 स्टार्टअप्स को मौके पर ही करोड़ों की फंडिंग

मप्र बनेगा स्टार्टअप्स की राजधानी, युवाओं का जुनून छू रहा आसमान -राजेन्द्र शुक्ल

इंदौर में आयोजित मेगा स्टार्टअप इन्वेस्टर समिट 'टाइफून 2025' ने प्रदेश की कारोबारी दुनिया में नई ऊर्जा भर दी। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इसे नवाचार और उद्यमिता का नया अध्याय बताया।

समिट में 450 से अधिक स्टार्टअप्स ने भागीदारी की, जिनमें से 212 को देश-विदेश के निवेशकों से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट प्राप्त हुआ और 65 स्टार्टअप्स को मौके पर ही करोड़ों की फंडिंग मिली। कार्यक्रम में यूएसए, यूके, यूरोप, सिंगापुर, दुबई सहित 250 से अधिक वेंचर कैपिटलिस्ट्स और कॉर्पोरेट लीडर्स शामिल हुए। यूएई की रॉयल फैमिली की उपस्थिति ने आयोजन को वैश्विक मंच पर नई पहचान दी। राजेन्द्र शुक्ल ने युवाओं से असफलता से न घबराने और अपने विचारों पर अडिग रहने का आह्वान किया। यह समिट मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी स्टार्टअप हब बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

1.892 हेक्टेयर जमीन की लड़ाई, संभागायुक्त के आदेश से हलचल तेज

इंदौर। संभागायुक्त के आदेश से ग्राम राऊ की 1.892 हेक्टेयर भूमि विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। सर्वे नंबर 686/4/1/1, 688/4/1/1 और 688/5 पर पूर्व स्थिति बहाल करने के निर्देश के बाद तहसीलदार कार्यालय में धारा 177 की कार्यवाही प्रचलित है। यह भूमि वर्षों से विवादित रही है, जिसके अभिलेखों में फेरबदल और स्वामित्व को लेकर सवाल उठते रहे। प्रशासन ने 25 जून 2025 तक आपत्तियां आमंत्रित की हैं। यह मामला क्षेत्र में राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से अहम बन चुका है। देर से दी गई आपत्तियों पर विचार नहीं होगा।

783 लोगों की 4600 जांचें, गंभीर बीमारियों की समय रहते हुई पहचान

राष्ट्रीय हिन्दी मेल इंदौर।

संभागायुक्त दीपक सिंह की पहल पर सीएम राइज स्कूल, नंदा नगर में प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का सफल आयोजन हुआ। स्वास्थ्य विभाग और अरविंदो मेडिकल कॉलेज की साझेदारी से लगे इस शिविर में 783 लोगों का पंजीयन हुआ और 4600 से अधिक विभिन्न जांचें की गईं। कैंसर, टीबी, हार्ट, लीवर, हड्डी और गठिया रोग सहित अन्य असंक्रामक रोगों की व्यापक स्क्रीनिंग कर गंभीर बीमारियों की पहचान की गई। अरविंदो अस्पताल के चेयरमैन डॉ. विनोद भंडारी के मुताबिक, कई मरीजों को गंभीर बीमारी की आशंका के चलते तत्काल परामर्श दिया गया। आभा व आयुष्मान योजना के तहत भी इलाज और सलाह दी गई। यह मुहिम असंक्रामक रोगों की रोकथाम और समय रहते इलाज की दिशा में बड़ा कदम है। अगला शिविर 11 जून को संजीवनी क्लीनिक, अहिल्या नगर में आयोजित होगा। नागरिकों से अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की गई है।

डर नहीं, हौसले की उड़ान : बेटियों की सुरक्षा में 'पुलिस दीदी'

इंदौर। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा तथा सशक्तिकरण के लिए संचालित 'सृजन-नई दिशा नया गगन' अभियान नई ऊर्जा से जारी है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा) संध्या राय के नेतृत्व में पुलिस दीदी व अफसरों की टीम विभिन्न कॉलोनियों में जाकर बालिकाओं से जीवंत संपर्क कर रही है। बालिकाओं को महिला अपराधों की रोकथाम, सुरक्षा उपाय व क्राइम वॉच नंबर बताए जा रहे हैं। अब तक 12 कॉलोनियों की सैकड़ों बालिकाओं को जागरूक किया जा चुका है।

फर्जी फाइल कांड में संलिप्तता के आरोपी हरीश श्रीवास्तव की मुख्यालय में हुई वापसी

इंदौर। सहायक लेखा अधिकारी के पद से हटाए गए हरीश श्रीवास्तव की मुख्यालय में एक बार फिर वापसी हो गई है और उन्हें स्टोर विभाग में प्रभारी अधीक्षक बनाया गया है। वे निगम आयुक्त के निज सहायक भी रह चुके है। फर्जी फाइल कांड में संलिप्तता पाए जाने के बाद उन्हें मुख्यालय से हटाकर प्रधानमंत्री आवास योजना में भेज दिया गया था। लेकिन वह मुख्यालय में वापस आने के लिए प्रायसरत रहे थे और अब एक अपर आयुक्त के आशीर्वाद से एक बार फिर उनकी वापसी हो गई है।

हजारों रुपए नकदी और जेवरात चोरी

इंदौर।

एक घर का ताला तोड़कर चोरों ने वारदात को अंजाम देते हुए यहां से हजारों रुपए नकदी के साथ ही जेवरात भी उड़ा लिए। मामले में लसूड़िया पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। श्रीनाथ कालोनी निवासी लक्की कुशवाह ने पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके घर का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाश सोने चांदी के जेवर और चालिक हजार रूपए नकदी चुराकर ले गए। जब घर में सामान बिखरा देखा तो पुलिस को उसकी जानकारी दी गई। शक है कि रैकी करने के बाद वारदात को अंजाम दिया गया है। इसी प्रकार क्षिप्रा पुलिस ने सुनील राठौर निवासी मुंडला हुसैन की रिपोर्ट पर चोरी का केस दर्ज किया है।

तीन स्थानों से बाइक चोरी- उधर, एरोड्रम पुलिस ने रोहित राजपूत की रिपोर्ट पर चोरी का केस दर्ज किया है। फरियादी की बाइक अज्ञात बदमाश चुरा ले गए। वहीं एमआईजी पुलिस ने सचिन चतुर्वेदी की रिपोर्ट पर चोरी का मामला दर्ज किया है। उसके यहां से भी बाइक चोरी चली गई। इसी तरह स्कीम नंबर 78 से सुमित जाटव के घर से भी बाइक चुरा ली।

नाबालिग से सोने की चेन व नकदी लूटे, आरोपी पकड़ाए

इंदौर। खजराना इलाके में महालक्ष्मी नगर स्थित मेला ग्राउंड के सामने एक नाबालिग को रोककर बदमाशों ने मारपीट कर नगदी और सोने की चेन लूट ली। मामले में पुलिस केस दर्ज कर वारदात के कुछ ही घंटों में आरोपियां को धरदबोचा। पुलिस के मुताबिक घटना महालक्ष्मी रोड मेला ग्राउंड के सामने की हैं। मामले में तेली बाखल मल्हारगंज निवासी 17 वर्षीय संस्कार की शिकायत पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। फरियादी नाबालिग के साथ अज्ञात बदमाशों ने मारपीट करते हुए 3 हजार नगदी व सोने की चेन लूट ली और धमकाते हुए भाग निकले। फरियादी ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी तो खजराना टीआई मनोज सेंधव की टीम ने घेराबंदी की और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से सोने की चेन और तीन हजार रूपए भी बरामद कर लिए। बताते हैं कि रात में आरोपी सूनसान इलाकों से गाड़ी लेकर आने वालों से लूटपाट करते थे । ये लड़के भी पढने वाले हैं और घूमने के बाद वापस जा रहे थे जहां रास्ते में उनके साथ वारदात हो गई।

अफसर-शिक्षकों के ट्रांसफर पर बवाल की आशंका

इंदौर। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा हाल ही में किए गए स्थानांतरण आदेशों को लेकर विवाद की आशंका गहरा गई है। अधिकारी, कर्मचारी और शिक्षक इन तबादलों के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। रिट याचिकाओं को भांपते हुए विभाग ने उच्च न्यायालय जबलपुर सहित खंडपीठ इंदौर और ग्वालियर में शासन के पक्ष में केविएट दायर की है। इससे सरकार को बिना सूचना कोई अंतरिम राहत रुकवाने का मौका नहीं मिलेगा। विभाग ने साफ किया है कि हर कानूनी लड़ाई में शासन अपना पक्ष मजबूती से रखेगा। मामला प्रशासनिक निर्णय की पारदर्शिता और अधिकारों की लड़ाई का बनता दिख रहा है।

छह बदमाशों ने संगमत होकर व्यवसायी पर किया जानलेवा हमला

भाई के विवाद का बदला लेने पर की थी घटना

इंदौर।

भाई से हुए विवाद के बदला लेने छह बदमाशों ने संगमत होकर व्यवसायी पर जानलेवा हमला कर दिया था। मुख्य हमलावर मोहक उर्फ मोनू शुक्ला पर हत्या, मारपीट और उसके साथियों पर कई गंभीर अपराध शहर के विभिन्न थानों में पंजीबद्ध है।

लसूड़िया पुलिस को राजश्री अपोलो हास्पीटल से जानकारी मिली की राहुल हजारी नामक युवक को कोको फार्म हाउस से मारपीट में घायल होने पर अस्पताल लाया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। यहां फरियादी राहुल सिंह पिता राजेन्द्र सिंह हजारी निवासी

तुलसी नगर ने बताया कि मैं कोको फार्म हाउस संचालित करता हूं। 3 जून को कोमल शुक्ला नामक युवक से मेरा विवाद हो गया था। इसके बाद कोमल को फार्म हाउस आने से मना कर दिया गया था। अगले दिन दोपहर 1.30 बजे मैं अपने भतीजे राजवर्धन, उसके दोस्त और फार्म हाउस स्टाफ के साथ फार्म हाउस पर था। तभी कोमल का भाई मोहक अपने अन्य साथियों के साथ एक्सयूवी कार से आया और मेरे चौकीदार से गेट खुलवाकर बैसबाल के डंडे, चेन, स्पाकेट कवर से मारपीट की, जिससे मुझे सिर, आंखो, गाल , हाथ पैर में चोट आई। बीच बचाव में भतीजे राजवर्धन और काम करने वाली बाई को भी चोट आई थी। मामले में पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज किया था।

फुटेज के आधार पर की तलाश

घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक करने पर जानकारी मिली की आरोपी सिल्वर रंग की कार से आए थे। फुटेज के आधार पर मोहक उर्फ मोनू पिता अरुणेश शुक्ला निवासी स्कीम 78 लसूडिया, अनिल बरवेले निवासी कन्नू पटेल की चाल, कालू गिर निवासी कलावत ढाबे के पीछे झुग्गी झोपड़ी ए.बी.रोड, संदीप बागले निवासी कलावत ढाबे के पीछे झुग्गी झोपड़ी, रंजीत बागले और राजदीप नायक निवासी शिव वाटिका एम आर 11 को गिरफ्तार किया। आरोपी मोहक पर परदेशीपुरा, हीरानगर, खुडैल, आरोपी राजदीप नाइक पर एमआयजी, लसुडिया, अनिल पिता देवकर वरवेले पर थाना परदेशीपुरा, एमआईजी में केस दर्ज है।

कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा राज्यपाल महोदय द्वारा प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित

धार । कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा को प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह महामहिम राज्यपाल की और से जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमाण्डर नगेश चन्द्र मालवीय (से.नि.) ने कलेक्टर सभाकक्ष में प्रदान किया। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 2023-24 में विभिन्न विभाग के माध्यम से धार जिले ने मध्यप्रदेश शासन द्वारा दी गई लक्ष्य राशि 10 लाख 54 हजार 900 रुपये से अधिक राशि रुपये 13 लाख 11 हजार 102 रुपये सैनिकों के कल्याण हेतु एकत्रित की जो कि लक्ष्य राशि का 124ॉ है। यह राशि पूर्व सैनिकों, शहीदों की विधवाओं, एवं उनके आश्रितों के कल्याण एवं पूर्नवास में संचालनालय सैनिक कल्याण मध्यप्रदेश द्वारा चलाई जा रही कई कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उपयोग में ली जाती है। इस सराहनीय उपलब्ध्यि के लिये महामहिम राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल द्वारा 23 अप्रैल 2025 को राजभवन में आयोजित विशेष सम्मान समारोह में धार कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, भारतीय प्रशासनिक सेवा को प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया किया।

राज्य खेल अकादमी एथलेटिक्स में प्रवेश हेतु प्रतिभा चयन 14 जून को कॉलेज मैदान पर

झाबुआ। जिले के उभरते खिलाडियों को खेलों में करियर बनाने का सुनहरा अवसर मप्र शासन खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा खेल प्रतिभा चयन कार्यक्रम से मिल रहा है। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित राज्य खेल अकादमी एथलेटिक्स में प्रवेश हेतु प्रतिभा चयन का आयोजन आगामी 14 जून को शासकीय महाविद्यालय खेल मैदान झाबुआ में सुबह 8 बजे से आयोजित किया जाएगा। प्रतिभा चयन में भाग लेने वाले खिलाडियों को अपने साथ पासपोर्ट साईज फेटोए आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य है। यह प्रतिभा चयन प्रांरभिक स्तर का है। इसमें चयनित खिलाडी 30 जून को इंदौर में आयोजित होने वाले प्रतिभा चयन में भाग लेगे। जिले में आयोजित प्रारंभिक प्रतिभा चयन कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक खिलाडी 14 जून कॉलेज खेल मैदान झाबुआ में सुबह 7ण्45 बजे उपस्थित होकर अपना पंजीयन करवा कर भाग ले सकते है।

भगवान श्री बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि

झाबुआ। भगवान श्री बिरसा मुंडा की 125 पुण्यतिथि पर मप्र आदिवासी विकास परिषद् द्वारा राज्य व्यापी बिरसा मुंडा संकल्प अभियान.2025 चलाया गया। जिसके अंतर्गत भगवान बिरसा मुंडा की 125 पुण्यतिथि के अवसर पर आदिवासी विकास परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष एवं मप्र में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में 9 जून सोमवार को शहर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें वर्ष 2025 में समाज के कक्षा 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण करने वाले छात्र.छात्राओं एवं खेलकूद तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य आदिवासी समुदाय के युवाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना, उनके आत्मविश्वास को बढाना और उन्हें सामाजिक नेतृत्व के लिए तैयार करना रहा। कार्यक्रम में आदिवासी समाज के गणमान्य नागरिकए अभिभावकगण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बिजली ट्रिपिंग से परेशान जनता

गर्मी ने दिखाए फिर अपने तेवर, रात एवं दिन का पारा बढ़ा

नागदा जं. निप्र। मौसम साफ होते ही एक बार फिर से गर्मी ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। रविवार-सोमवार को नागदा में दिन और रात दोनों समय के तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। दोपहर के समय सूर्य की तपिश ने लोगों को बेहाल कर दिया, तो रात में भी राहत नहीं मिली। गर्म हवाओं के थपेड़े और बिजली की ट्रिपिंग ने आमजन को दिनभर परेशान किए रखा। सोमवार को दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा, जबकि शाम 7 बजे भी तापमान 37 डिग्री के स्तर पर बना हुआ था। वहीं, रात का न्यूनतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जिससे रात्रिकालीन समय में भी गर्मी से राहत नहीं मिल पाई। दिनभर 41 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चलती रहीं, जिससे दोपहर के समय नगर की सड़कों पर सन्नाटा पसरा दिखाई दिया। हालांकि सोमवार सुबह का मौसम भी गर्म बना हुआ था, दोपहर तक पारा 41 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुँच गया, जो कि गर्मी के इस दौर में सामान्य से अधिक है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है, जिससे आने वाले दिनों में गर्मी से राहत की उम्मीद कम ही है।

बिजली ट्रिपिंग ने बढ़ाई मुसीबत- भीषण गर्मी के बीच बिजली की ट्रिपिंग ने लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। रविवार को सुबह से लेकर शाम तक दो से तीन बार बिजली गुल हुई। अचानक बिजली जाने से जहां इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान पहुँचने का खतरा बना रहा, वहीं उमस और गर्मी से लोग बेहाल हो गए। नगरवासियों का कहना है कि गर्मी के इस सीजन में बिजली व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए, क्योंकि तापमान बढ़ते ही लोड भी बढ़ता है, ऐसे में बार-बार ट्रिपिंग आमजन के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है।

जनता कर रही राहत की आस- स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में हल्की बारिश हो जाए, तो गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। वहीं प्रशासन और बिजली विभाग से यह अपेक्षा की जा रही है कि बिजली आपूर्ति सुचारू रखी जाए और अचानक की जाने वाली कटौती से बचा जाए, जिससे लोग कम से कम रात में चेन की नींद ले सकें।

5 दिवसीय महा उत्सव का विशाल भंडारे के साथ समापन

अमझेरा - झाबुआ जिले के पावन धाम तारखेड़ी मे पांच दिवसीय देव स्थापना एवं यज्ञ का आयोजन किया गया। तारखेड़ी धाम के ऋषिराज जी महाराज ने बताया कि महामृत्यंजयेश्वर महादेव का नवनिर्मित विशाल मंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा का 5 दिवसीय उत्सव मनाया गया। नव निर्मित मंदिर के समीप बनी यज्ञ शाला मे पांच दिनों तक हवन कुंड मे सवा लाख आहुति दी गई। यज्ञाचार्य पंडित कैलाशचंद्र जी जानी गरवा खेड़ी के द्वारा रविवार को दोपहर मे पूर्णाहुति के साथ यज्ञ का समापन हुआ। मंदिर मे महाआरती कि गई। इस मौके पर प्रसिद्ध बालीपुर धाम के योगेश जी महाराज पहुंचे तथा कार्यक्रम में सम्लिीत हुए साथ ही बलवारी धाम के निरंजन दास जी महाराज, खेड़ापति हनुमान धाम अमझेरा के नारायण दास जी महाराज, मंगल दास जी महाराज आदि संत महात्मा भी आयोजन मे शामिल हुए। महोत्सव के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन मंदिर परिसर मे किया गया। जिसमे आसपास क्षेत्र सहित धार, झाबुआ, रतलाम,इंदौर आदि जिलों के साथ अन्य ग्रामीण क्षेत्र से हजारों भक्त शामिल होकर भोजन प्रसादी ग्रहण कि गई।

फरार तीन आरोपियों की गिरफ्तारी पर ईनाम घोषित

शाजापुर, निप्र। जिले के विभिन्न थानों में पंजीबद्ध अपराध के तीन फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत ने नगद ईनाम की घोषणा की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 526/20 में पंजीबद्ध फरार आरोपी शैलेन्द्र पिता रतनलाल उपाध्याय निवासी 160 डी रेल्वे कालोनी माधवनगर फ्रीगंज उज्जैन की गिरफ्तारी पर 3 हजार रूपये तथा थाना शुजालपुर में अपराध क्रमांक 139/2025 में पंजीबद्ध फरार आरोपीगण सत्तार पिता अब्दुल रहमान एवं असलम पिता अब्दुल रहमान खां निवासीगण आगर नाका उज्जैन की गिरफ्तारी के लिए 7-7 हजार रूपये का नगद ईनाम घोषित किया है। सूचना देने वाले का नाम चाहने पर सर्वथा गोपनीय रखा जायेगा।

प्राकृतिक संसाधनों की लूट को रोकना-धरती आबा बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि श्री मलखान पटेल

धरमपुरी- वरिष्ठ कांग्रेस मलखान पटेल ने ग्राम पिपलियाखुट मै बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुवे कहा धरती आबा बिरसा मुंडा के समय अंग्रेजों ने आदिवासी कृषि व्यवस्था को सामंती राज्य में बदलने की प्रक्रिया को तेज़ कर दिया था। चूंकि आदिवासी अपनी आदिम तकनीक से अधिशेष पैदा नहीं कर सकते थे, इसलिए छोटानागपुर के प्रमुखों ने गैर-आदिवासी किसानों को भूमि पर बसने और खेती करने के लिए आमंत्रित किया। इससे आदिवासियों के पास मौजूद ज़मीनें उनसे अलग हो गईं। ठेकेदारों का नया वर्ग ज़्यादा लालची किस्म का था और अपनी संपत्ति को बढ़ाने के लिए कृषि में विघटन पैदा करना शुरू कर दिया। इस कृषि विघटन और संस्कृति परिवर्तन की दोहरी चुनौतियों का सामना बिरसा मुंडा के नेतृत्व में विद्रोह और बगावत की एक श्रृंखला के माध्यम से किया गया। 25 वर्ष की छोटी सी आयु में, आज के झारखंड के उलिहातू गांव का वह बालक औपनिवेशिक शोषण के विरुद्ध जन-प्रतिरोध का महानायक बन गया। जब ब्रिटिश अधिकारी और स्थानीय जमींदार जनजातीय समुदायों का शोषण कर रहे थे, उनकी ज़मीनें हड़प रहे थे और अत्याचार कर रहे थे तब भगवान बिरसा इस सामाजिक और आर्थिक अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े हुए और लोगों को अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए प्रेरित किया।धरती आबा बिरसा मुंडा के आंदोलन और उनके मृत्यु बाद अंग्रेज अधिकारियों को आदिवासियों के भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा था।उलगुलान, निस्संदेह, एक विद्रोह से कहीं बढ़कर था। यह लड़ाई न्याय और सांस्कृतिक पहचान दोनों के लिए थी। भगवान बिरसा मुंडा की सूझबूझ ने एक ओर जनजातीय लोगों द्वारा बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी ज़मीन पर स्वामित्व और खेती करने के अधिकार को, तो दूसरी तरफ जनजातीय रीति-रिवाज़ों और सामाजिक मूल्यों के महत्व को एक साथ जोड़ दिया। श्री पटेल ने कहा बिरसा मुंडा जी के आदर्शों पर आप हम सबको चलना है और अपने समाज का विकास करना है

इस अवसर पर कैलाश राणा सामाजिक कार्यकर्ता काशीराम भाई,गोविंद रंजीत भाई इस्केल बंसीलाल भाई अजय चौहान आदि कांग्रेस एवं आदिवासी समाज के गणमान्य नागरिक गणों ने माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुल एवं सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

किसानों के जीवन में उन्नती के लिए कर रही है सरकार लगातार काम -श्री तोमर

शाजापुर, निप्र। जिले के ग्राम लड़ावद की सड़क एवं पुल की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर ग्रामवासियों ने विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर का पुष्पवर्षा कर उल्लास के साथ स्वागत किया।

विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने ग्राम लड़ावद में 5 करोड़ रूपये लागत से निर्मित होने वाली पुलिया एवं 4 करोड़ 86 लाख रूपये लागत से निर्मित होने वाली सड़क (पहुंच मार्ग) का भूमिपूजन किया। उन्हौने ग्रामवासियों को पुल एवं सड़क की स्वीकृति पर बधाई देते हुए कहा कि पुल एवं सड़क की स्वीकृति में इनका योगदान रहा है। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में विकास एवं आर्थिक उन्नति के अनेक कार्य हो रहे हैं। किसानों एवं माता-बहनों के लिए सम्मान निधि दी जा रही है, ताकि उनकी आर्थिक क्षमता बढ़े, परिवार का लालन-पालन हो एवं साहुकारों के कर्ज से छुटकारा मिले। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास के कार्य हो रहे हैं। संसाधनों की बढ़ोतरी हो रही है, वही देश की आर्थिक क्षमता में ईजाफा हो रहा है। हमारा देश विश्व की अर्थव्यवस्था में चौथा स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि आजादी की 100वी वर्षगांठ पर भारत दुनिया का नेतृत्व करने वाला देश बनें, इसमें सभी लोगों का योगदान होना चाहिये। प्रदेश के मुख्यमंत्री रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इस मौके पर उन्होंने क्षेत्रीय सांसद श्री सोलंकी एवं विधायक अरूण भीमावद के कार्यों की प्रशंसा भी की। सांसद श्री सोलंकी ने संबोधित करते हुए कहा कि पुल बनने से आसपास के 25 ग्रामों को लाभ मिलेगा। विधायक अरूण भीमावद ने संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्रवासियों में पुल एवं सड़क निर्माण की स्वीकृति से हर्ष है। उन्होंने कहा कि विभिन्न समाजों को सामाजिक कार्यक्रमों के लिए वे धर्मशाला निर्माण में सहयोग देंगे। समाजजनों को जनभागीदारी के लिए 5-5 लाख रूपये एकत्रित करना होगा। इस मौके पर पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रवि पाण्डेय ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत, नगरपालिका उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण हर्षवर्धन सिंह मुवेल, अशोक नायक, पूर्व विधायक बाबुलाल वर्मा, आशीष नागर, नगरपालिका पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं आसपास के जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

एसएमओं फेरो के उत्पादन विस्तार पर आयोजित लोक सुनवाई में शहरवासियों ने बताई प्रदूषण की समस्या

सीईओ प्रतिभा दुबे का दावा संस्थान जीरो वेस्ट पॉल्यूशन की थीम पर कर रहा काम

मेघनगर~सोमवार को मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा मेसर्स एस.एम.ओ.फेरो अलॉय प्रा.लि. के फेरो एलॉय प्लांट विस्तार से लेकर कई नवीन उद्योग हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए लोक सुनवाई का आयोजन किया गया था। जिसमें संस्थान ने अपने वर्तमान कार्य के नवीन इकाइयों की स्थापना की जानकारी साझा की। इस पर आम लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आयोजित लोक सुनवाई में लिखित और मौखिक रूप से दर्ज कराई। लोक सुनवाई का जानकारी ना होने के चलते ना तो आसपास के ग्रामवासी और ना ही मेघनगर के ज्यादा लोग इसमें शामिल हो सके, जिसके चलते लोगों ने पुनः लोक सुनवाई रखने की लोक सुनवाई में भारत सरकार के नोडल और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इंदौर के क्षेत्रीय अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी से की।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) की ओर से लोक सुनवाई की घोषणा के बाद एस.एम.ओ. फेरो के कंषल्टेंड अनुराग त्रिपाठी ने पावर पाईट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कारखाना विस्तार को लेकर जानकारी दी। इस दौरान शहर के लोगों ने औद्योगिक इकाईयों द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण को लेकर पीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी और जिला प्रशासन के जिम्मेदार अफसरों को मंच पर मौजूद एसडीएम के सामने जमकर खरी खोटी सुनाते हुए गंभीर आरोप लगाए। क्षेत्रीय अधिकारी श्री द्विवेदी ने कहा कि उनके क्षेत्राधिकार में 8 जिले आते हैं किंतु सर्वाधिक प्रदूषण की शिकायत और समस्या मेघनगर से आ रहे हैं, जिसके चलते वे यहां विशेष रूचि लेकर माह में दो बार दौरा कर कारखाना संचालकों को सख्ती से नियमों का पालन करवाने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि विभाग के पूर्ववर्ती जिम्मेदारों के इतर उन्होंने यहां जनवरी 2025 में चार्ज लिया है। मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र के केमिकल और फर्टिलाइजर कारखानों को नियमों का पालन न करने पर सतत नोटिस दे कर उनके फैलाए जा रहे प्रदूषण की रोकथाम हेतु निर्देशित किया जा रहा है। द्विवेदी ने बताया कि मेघनगर में ट्रेंट केमिकल प्राईवेट लिमिटेड, राठौर फार्मा जैसे कारखानों को क्लोजर नोटिस जारी किये जा चुके हैं, कुछ और कारखानों को क्लोजर दिए जाने की प्रक्रिया जारी है जिसमें ब्रोमोस केमिकल प्रा.लिमीटेड शामिल है। ध्वनि प्रदुषण के लिए कृष्णा फास्टेक का दौरा किया है उसे सुधारने के लिए कहा गया है। केमिकल कारखानों में विनी इंडस्ट्री, सिद्धि विनायक केमिकल, अंकिता जैसे कई कारखानो को इंदौर और भोपाल स्तर पर नोटिस जारी किये हैं, यदि इन कारखानों द्वारा जन भावना के साथ खिलवाड़ करना बंद नहीं किया तो उनके खिलाफ क्रिमिनल केस दायर किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और एसडीएम भी पब्लिक न्यूसेंस के तहत प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही करे इसके लिए वे संभाग आयुक्त और कलेक्टर से भी चर्चा करेंगे। द्विवेदी ने अपने मोबाईल नंबर सार्वजनिक कर लोगों से सहयोग की अपील की, उन्होंने कहा कि किसी कारखाने को बंद करना अंतिम विकल्प होता है। सरकार की नीति और तय मापदंड के अनुसार उद्योगपतियों को अपने कारखाना संचालित कराना चाहिए। किसानों की बात से इत्तेफाक रखते हुए उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक किसान परिवार से आते हैं ऐसे में किसानों की तकलीफ समझ सकते है, प्रदूषण नियंत्रण करने के लिए सख्ती से कार्यवाही का भरोसा उन्होंने मौजूद लोगों को दिलाया।

लोक सुनवाई में जनता ने रखा पक्ष-एस.एम.ओ. फेरो अलॉय प्रा. लि. के कार्य विस्तार को लेकर आयोजित लोक सुनवाई के दौरान रहवासियों ने पूर्ववर्ती केमिकल कारखानों के चलते हो रहे जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण , ध्वनि प्रदूषण और भूमि प्रदूषण के चलते अधिकांश लोगों ने प्रदूषण फैलाने वाले किसी भी उद्योग को अनुमति न दिए जाने की बात कहीं। किसानों की संस्था बहुउद्देषीय सहकारी समिति मेघनगर के अध्यक्ष और अगराल के किसान दिनेष पाटीदार ने कहा कि 1984 में सरकार ने औद्योगिक विकास के नाम पर किसानों से उनकी खेती की जमीन ले ली और अब उद्योग के नाम पर उनकी हवा, पानी, जमीन को खराब कर दिया। औद्योगिक प्रदुषण के बढ़ते प्रभाव के कारण ना सिर्फ पर्यावरण को नुकसान हो रहा है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकुल असर पड़ रहा है। उन्होंने रोजगार आधारित उद्योगों को स्वागत करने और प्रदुषण फैलाने वाले उद्योग पर आपत्ति दर्ज कराई। पर्यावरणवीद नीरज श्रीवास्वत ने कहा कि प्रदुषण विभाग के पास मेघनगर में वायु प्रदुषण नापने की कोई प्रणाली ही नहीं है। यहां पीसीबी को कोई स्थाई अधिकारी- कर्मचारी भी तैनात नहीं है जो कथित कारखानों द्वारा फैलाये जा रहे प्रदुषण पर नियमित निगरानी रख सके ऐसे में कैसे प्रदुषण नियंत्रित होगा।

लाल पानी लेकर पहुंचे-मौका एस.एम.ओ. फेरो अलॉय के कार्य विस्तार और नवीन इकाइयों की स्थापना की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दावे/आपत्ति और सुझाव को था किंतु लोगों में प्रदूषण को लेकर इतना गुस्सा था कि वे अपनी बात को संबंधित विभाग के जिम्मेदार के सामने रखना चाहते थे। नगर के वेद प्रकाश बसेर अपने साथ लाल पानी से भरी बाल्टी लेकर पहुंचे, ये पानी तारकेश्वर महादेव मंदिर के बोरिंग का है। बसेर ने कहा कि विभागीय अधिकारियों के संज्ञान में सारी जानकारी होने के बाद कार्यवाही में देरी क्यों हो रही है इस पर क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी ने नियमों का हवाला दिया और नोटिस पर सुधार ना होने पर कार्यवाही की बात कहीं।

नुकसान बता कर ली आपत्ति-नगर के मनीष नाहटा ने कंपनी द्वारा प्रस्तुत प्रजेंन्टेषन में अपर्याप्त पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन की बात कहते हुए विस्तार पर आपत्ति दर्ज कराई। नाहटा ने कहा कि कंपनी के प्रस्तावित 300 प्रतिषत उत्पादन वृद्धि में ईएआई रिपोर्ट में वायु/जल/ध्वनि और अपषिष्ट प्रबंधन का समुचित विष्लेषण नहीं किया। फेरो मैंग्नीज, फेरा क्रोम और सिलिका क्रोम जैसे उत्पादों के विस्तार से भारी धातुओं को उत्सर्जन बढ़ेगा जो जल और मिट्टी में मिल कर पर्यावरण को नुकसान पहॅुचायेंगे।

प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त करवाई देवस्थान की 5.47 हेक्टेयर जमीन

नीमच । कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा शासन संधारित मंदिरों की भूमियों के संरक्षण के अभियान के तहत शासकीय एवं देवस्थानों की जमीनों का संरक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में अपर कलेक्टर, श्रीमती लक्ष्मी गामड़ एवं अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व, मनासा पवन बारिया के मार्गदर्शन में नायब तहसीलदार, कुकडेश्वर ने न्यायालयीन प्रकरणों में गठित दल द्वारा लक्ष्मीनारायण मंदिर, माणक चौक, रामपुरा की ग्राम भाट खेड़ी खुर्द स्थित भूमि सर्वेनम्बर-257 रकबा 2.14 हेक्टर, सर्वेनम्बर-258 रकबा 1.78 हेक्टर, सर्वेनम्बर-259 रकबा 1.550 हेक्टर कुल रकबा 5.47 हेक्टर भूमि पर अतिक्रामक नेपाल सिंह पिता सरदार सिंह राजपूत, नरेन्द्र सिंह पिता शंभु सिंह राजूपत, गोर्धन सिंह पिता रघुनाथ सिंह, चेन सिंह पिता गोर्धन सिंह, बापू सिंह पिता मोती सिंह, दलपत सिंह पिता प्रताप सिंह राजपूत, दशरथ सिंह पिता बने सिंह राजपूत, अमर सिंह पिता प्रताप सिंह, मेहरबान सिंह पिता डुंगर सिंह, बने सिंह पिता जुझार सिंह, जयपालसिंह पिता पर्वत सिंह, भोपालसिंह पिता स्वरूप सिंह राजपूत, भाटखेड़ी खुर्द द्वारा वर्षो से देवस्थान श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर, माणक चौक, रामपुरा की भूमि पर किये गये अवैध कब्जे को छुड़वाकर उक्त जमीन आज सोमवार को प्रशासन ने अपने कब्जे में लेकर वर्तमान पुजारी को भूमि का कब्जा दिलवाया गया। उक्त कार्य नायब तहसीलदार, नवीन छलोत्रे के निर्देशन में गठित दल रामदयाल शर्मा, प्रभारी राजस्व निरीक्षक, मोहनलाल मालवीय, प्रवीण कुमावत, हर्षवर्धन चुण्डावत ने किया ।

सुरक्षा कर्मो पंजीयन : आज नीमच जनपद में शिविर

नीमच । जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने बताया, कि भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली एसआईएस (सिक्यूरिटी लिमिटेड) द्वारा सुरक्षा कार्यो के लिए आवेदित उम्मीदवारों को पंजीकृत कर प्रशिक्षण उपरांत रोजगार देने के लिए नीमच, जावद एवं मनासा के जनपद सभाकक्ष में क्रमशः 10, 11 एवं 12 जून 2025 को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक शिविर आयोजित किए जा रहे है। शिविर के लिए नीमच में श्री राजेन्द्र चौहान, जावद में श्री प्रताप डाबर एवं मनासा में श्री नरेन्द्र परमार को प्रभारी बनाया गया है। उन्होने सभी ग्राम पंचायत के सचिव, रोजगार सहायकों को भी क्षेत्र के पात्र बेरोजगार युवाओं को चयन कर शिविर में भेजने के निर्देश दिए है। साथ ही शिविर के लिए अवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए है। शिविर में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की उम्र 19 से 40 वर्ष के बीच हो, लंबाई 168 से.मी. हो, वजन 56 कि.ग्रा. एवं सीना 80 से 85 सें.मी. होना अनिवार्य हैं। शैक्षणिक योग्यता कक्षा 10वीं उत्तीर्ण हो, और शारीरिक रूप से स्वस्थ्य भी हो, शिविर में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठा सकते हैं।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नगदी रहित उपचार स्कीम 2025 लागू

नीमच। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना 5 मई 2025 द्वारा सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नगदी रहित उपचार स्कीम 2025 लागू की गई है।

इस योजना के तहत पीड़ित ऐसी दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिन की अवधि के लिये किसी भी नाम निर्दिष्ट अस्पताल में प्रति पीड़ित एक लाख पचास हजार रूपये तक की रकम के नगदी उपचार का हकदार होगा। इस स्कीम के अधीन नाम निदिर्ष्टि अस्पताल के अतिरिक्त किसी अन्य अस्पताल में उपचार केवल स्थितीकरण प्रयोजनों के लिये किया जावेगा और यह मार्गदर्शी सिद्धांतों द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा। नाम निर्दिष्ट अस्पताल पीड़ित को अस्पताल लाए जाने पर तुरंत चिकित्सा उपचार शुरू करेगा एवं उसे प्रशासित करेंगा। इस स्कीम के अधीन पीडित को छुट्टी मिलने के बाद यथास्थिति नाम निर्दिष्ट अस्पताल या स्थिरीकरण उपचार करने वाला ऐसा अन्य अस्पताल, पोर्टल पर उपचार पैकेज की लागत के भुगतान के लिये राज्य स्वास्थ्य अभिकरण द्वारा ऐसी यथाविनिर्दिष्ट रीति और ऐसे दस्तावेजों के साथ दावा प्रस्तुत करेगा। राज्य स्वास्थ्य अभिकरण पोर्टल पर लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों के लिए और नाम निर्दिष्ट अस्पताल को प्रदान किए जाने वाले दावे को पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से अनुमोदित करेगा या पूर्ण रूप से आंशिक रूप से खारिज करेगा और नाम निर्दिष्ट अस्पताल या ऐसे अन्य अस्पताल को उपलब्ध कराएगा। भुगतान, ऐसे अभिकरण या प्राधिकरण द्वारा निधि के संबंधित खाते से उपखण्ड (4) के अधीन राज्य स्वास्थ्य अभिकरण के अनुमोदित भुगतान की प्राप्ति की तारीख से 10 दिन की अवधि के भीतर किया जाएगा।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक 11 जून को

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की कार्यकारी समिति की बैठक 11 जून 2025 को दोपहर 3 बजे कलेक्टर कार्यालय सभागृह नीमच में आयोजित की जा रही है। पूर्व में यह बैठक 9 जून को होना थी, जिसे अपरिहार्य कारणों से अब 11 जून को कर दिया गया हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी नीमच ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित होने का आगृह किया हैं।

मुख्यमंत्री की मनाही के बाद भी कर दिए नए-नवेले शिक्षकों के तबादले

इंदौर। प्रदेश सरकार ने जब से तबादला नीति लागू की है, तब से ही शिक्षा विभाग शिक्षकों के तबादलों को लेकर चर्चा में है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर संशोधित नीति जारी होने के बाद भी शिक्षा विभाग नीति विरुद्ध तबादला आदेश जारी कर रहा है। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने नए नवेले शिक्षकों के तबादले सामान्य स्कूलों में कर दिए हैं। जबकि नीति में ऐसे शिक्षकों के तबादले सिर्फ सांदीपनी विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय और मॉडल स्कूल में ही किए जा सकते हैं।

शिक्षा विभाग की संशोधित तबादला नीति की कंडिका 2.5 के अनुसार विभागीय स्थानांतरण नीति 2022 की कंडिका 3.1.6 अनुसार 'नव नियुक्त शिक्षकों का तबादला सिर्फ विशिष्ट शाला सांदीपनी विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय, मॉडल स्कूल में ही किया जा सकेगा। अन्य सामान्य शालाओं में पदस्थापना नहीं की जा सकती है।' जबकि आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने संशोधित नीति आने के बाद जो तबादला आदेश जारी किए हैं, उनमें नव नियुक्त शिक्षकों को भी सामान्य स्कूलों में पदस्थ कर दिया है।

मुख्यमंत्री के निर्देश हवा में-दरअसल, नव नियुक्ति शिक्षकों के सामान्य स्कूलों में तबादला करने का मामला पिछले महीने के आखिरी में मुख्यमंत्री तक पहुंच चुका है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ही प्रभारी मंत्रियों को जिलों के भीतर शिक्षकों के तबादला करने के अधिकार सौंपे गए हैं।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु की गरिमामय उपस्थिति में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

नीमच । राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि रहेंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्रीगण शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा। इनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशानिर्देश, मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम दिवस में प्रदेश में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता लाने की गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। सिकल सेल प्रभावित 33 जिलों में विशेष परामर्श शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहाँ उन्हें आनुवंशिक परामर्श, रोग प्रबंधन, भावी पीढ़ी के लिए संभावनाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। उप-केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर रोगियों की पहचान, स्क्रीनिंग तथा परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जायेगी। सिकल सेल रोगियों और उनके देखभाल कर्ताओं को पेन क्राइसिस जैसी तीव्र स्थितियों में प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। जिले की विशेष रूप से प्रभावित जनजातीय एवं ग्रामीण पंचायतों में स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए अभियान चलाया जाएगा। राज्य स्तर पर विकसित जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड का वितरण किया जाएगा, जिससे लोगों को आनुवंशिक जानकारी समझने में सुविधा होगी। विकलांगता योजनाओं और वित्तीय सहायता से सिकल-सेल रोगियों को जोड़ने की प्रक्रिया सरल करने के लिए यूडीआईडी कार्ड निर्माण के लिए मेगा शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा। प्रदेश में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 5 लाख नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग पूरी की जा चुकी है।

शुक्रवार से तीन दिवसीय

संभाग केसरी कुश्ती एवं वेट चेम्पियन प्रतियोगिता का होगा आयोजन

मनासा।

इण्डियन स्टाईल कुश्ती संघ एवं श्री पंचमुखी बजरंग व्यायाम शाला मनासा के तत्वावधान में तीन दिवसीय संभाग केसरी कुश्ती एवं वेट चेम्पियन प्रतियोगिता का होगा भव्य आयोजन।

इण्डियन स्टाईल कुश्ती संघ जिला संरक्षक नारायण सोमानी, जिला अध्यक्ष लाला भाई चौहान, जिला सचिव उस्ताद घीसालाल भेरावत सहित पदाधिकारियों की उपस्थिति में कृषि उपज मंडी मनासा में दिनांक 13 जून 2025 शुक्रवार से 15 जून 2025 रविवार तक तीन दिवसीय संभाग केसरी कुश्ती एवं वेट चेम्पियन प्रतियोगिता में 65 किलो से अधिक वजन वाला पहलवान संभाग केसरी में भाग लेगा साथ ही प्रथम आने वाला पहलवान को 21 हजार, द्वितीय 11 हजार, तृतीय 05 हजार रूपये नगद पुरस्कार मुख्यअतिथियों के हाथो दिया जाएगा। संभाग वेट चेम्पियन में वेट 40-45 मे आने वाले विजेता को 1500 रूपये, उपविजेता को 1100 रूपये, वेट 45-50 में विजेता को 2000 उपविजेता को 1100 रुपये, वेट 50-55 में विजेता को 2100 उपविजेता को 1100 रूपये, वेट 55-60 में विजेता को 3001 उपविजेता को 1500 रूपये, वेट 60-65 में विजेता 5000 उपविजेता को 2500 रुपये नगद पुरस्कार दिया जाएगा। 65 किलो वेट से अधिक वाला पहलवान संभाग केसरी में भाग लेगा। इण्डियन कुश्ती संघ जिला संरक्षक नारायण सोमानी जावद, अध्यक्ष लाला भाई चौहान मनासा, सचिव उस्ताद घीसालाल भेरावत जावद, उपाध्यक्ष शंकर सुराह पहलवान बघाना, सहसचिव कमल पहलवान नीमच, कोषाध्यक्ष इमरान खान राजा भैया नीमच सहित जिला पदाधिकारियों ने कहा इसके लिए तैयारियां जौरो पर चल रही है साथ ही नीमच, जावद, मनासा एवं आस पास क्षेत्रो के पहलवानो, उस्तादगणो, कुश्ती प्रेमियों से निवेदन किया है कि मनासा में होने वाला संभाग केसरी कुश्ती एवं वेट चेम्पियन प्रतियोगिता के इस भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस भव्य आयोजन को सफल बनाए।

नवीन कार्यकारणी का निर्विरोध गठन में अध्यक्ष पद प्रीतम बांगा सचिव पद पर सुरेश ग्रोवर निर्विरोध निर्वाचित किया गये

मनासा। पंजाबी समाज मनासा की नवीन कार्यकारणी का निर्विरोध गठन में अध्यक्ष पद प्रीतम बांगा सचिव पद पर सुरेश ग्रोवर निर्विरोध निर्वाचित किया गये। साथ ही समाज की नवीन कार्यकारणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल वधवा कनिष्ठ उपाध्यक्ष राम गुलाटी,सहसचिव प्रथम अनुज छाबड़ा सहसचिव द्वितीय विकास वधवा कोषाध्यक्ष लाजपत वधवा बनाए गए हे। समाज के श्री राम मंदिर के प्रभारी मोंटू महेंद्र छाबड़ा,धर्मशाला प्रभारी संजय वधवा व हर्ष ग्रोवर को संयुक्त रूप से प्रदान की गई। प्रवक्ता पद पर चंद्र प्रकाश गुलाटी को बनाए गए हे । पंजाबी समाज की निर्विरोध कार्यकारणी के मनोनयन पर समाज जनों ने हर्ष व्याप्त किया है।

नीमच - झालावाड़ स्टेट हाईवे पर, मनासा से रामपुरा के जीप पिकअप पलटी

5 व्यक्ति हुवे गंभीर घायल, एक व्यक्ति की हुई मोके पर मौत

मनासा। सोमवार अल सुबह करीब 04 बजे रामपुरा मनासा रोड पर हाडीपिपलिया व घोटापिपलिया के बीच एक लोडिंग पिकअप वाहन असन्तुलित होकर पलटी खा गया जिसमें 06 व्यक्ति सवार थे वही 05 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए और एक की मौके पर ही मौत हो गई।

थाना मनासा से प्राप्त जानकारी अनुसार हाड़ीपिपलिया और घोटापिपलिया के बीच में एक पिकअप तेज गति से चलते हुए असन्तुलित होकर पलटी खा गई जिसमें सवार मोहनलाल पिता बद्रीलाल धाकड़ उम्र 32 वर्ष, शिवलाल पिता राधेश्याम धाकड़ उम्र 50 वर्ष, लोकेश पिता प्रकाश धाकड़ उम्र 25 वर्ष, हंसराज पिता बजरंगलाल धाकड़ उम्र 45 वर्ष एवं अन्य दो साथी और थे, सभी गंभीर रूप से घायल हो गए, घटना के दौरान हंसराज पिता बजरंग लाल धाकड़ 45 वर्ष की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई सभी निवासी राजपुरा झालावाड़ के है, सभी घायलों को थाना मनासा 108 की मदद से शासकीय अस्पताल मनासा लाया गया, जहां पर तीन घायलों का उपचार जारी है। वही हंसराज की मौके पर ही मौत हो गई थी जिसका पुलिस ने मर्ग कायम कर मनासा शासकीय अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया। हालांकि घटना का वास्तविक कारण अभी सामने नहीं आया है।

भगवान के अवतरण से ऋतुएं बदल जाती है- स्वामी ज्ञानानंद जी तीर्थ

मनासा। मनुष्य के जीवन में भटकाव तभी तक है ,अशान्तिऔर असंतोष भी तभी तक हे जब तक उसके भीतरी भागो में आध्यात्म और ईश्वर की शरणागति नहीं उतरती। कर्ता भाव जब दृष्टा भाव में बदलता हे तो जीवन में शांति और संतोष निर्बंद भाव से सहज ही बहने लगते हे उसी तरह जैसे भगवान कृष्ण अवतरित हुए तो पृथ्वी के मौसम-ऋतुएं और चन्द्रमा तक की स्थिति परिवर्तित हो गई।

वर्षा ऋतु में बसंत आ गया चन्द्रमा पूर्ण अवतरित हुआ। सगुण-निर्गुण के भेद मिट गए यमुनाजी ने राह दे दी। उपरोक्त आशय के सदविचार स्वामी श्री ज्ञानानंद जी तीर्थ में व्यक्त किए। वे स्व. श्री लक्ष्मीनारायण राठौर की पुण्य स्मृति में हो रही श्री मद भागवत महोत्सव के पंचम दिवस की कथा में बोलते हुए व्यक्त किए। आपने पूर्व प्रसंग में कहा कर्मेन्द्रि?यों में पहली वाणी है और ज्ञानेंद्रियों में पहली ज्ञानेन्द्री श्रवण है। वक्ता मिले तो श्रवण करो और श्रोता मिले तो वर्णन करो। अन्यथा जहाँ श्रोता है. वहाँ वक्त्ता नहीं, जहाँ वक्ता है पर श्रोता नहीं है। अज्ञान अनादि है। आगे बढ़?ना है तो ज्ञान से जुड़ कर ही आगे बढ़ा जा स्तकता है दुःख का कारण जन्म है जन्म का कारण शुभ-अशुभ प्रवृति है। शुभ अशुभ हेतु राग है द्वेष है और राग-द्वेष मिथ्या ज्ञान से उपजता है। उसका मूल कारण अविवेक भी है। इसलिए श्रवण ज्ञान के लिए होना चाहिए। बिल्ली चूहे को मारती है तो हो दुःख नहीं होता हमारे द्वारा पालित तोते को मारती है दुख होता है यही राग द्वेष है।इससे बचने की जरूरत है। भागवत कथा में आज गोवर्धन पूजा व रुक्मिणी विवाह की कथा का श्रवण कराया जाएगा।

सैलाना महालक्ष्मी गली में माता रानी शीतला भवानी मंदिर की वर्षगांठ पर

तीन दिवसीय नानी बाई का मायरा कथा का आयोजन सफल रहा

सैलाना। महालक्ष्मी गली में स्थित माता रानी शीतला भवानी मंदिर की वर्षगांठ के अवसर पर तीन दिवसीय नानी बाई का मायरा कथा का आयोजन बड़े उत्साह और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर पंडित ललित जी शास्त्री ने अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को नानी बाई के मायरा की प्रेरणादायी कथा सुनाई, जिसने उपस्थित भक्तों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

तीन दिनों तक चले इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भगवान श्रीकृष्ण के भक्त नरसी भगत और नानी बाई की भक्ति से प्रेरित कथा का श्रवण किया। कथा के समापन पर पंडित ललित जी शास्त्री का शीतला माता उत्सव समिति और महिला मंडल द्वारा सम्मान किया गया। इसके पश्चात माता रानी शीतला भवानी की महा आरती की गई, जिसमें सभी भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महा आरती के बाद प्रसादी का वितरण किया गया, जिसने आयोजन को और भी यादगार बना दिया।

शीतला माता उत्सव समिति और महिला मंडल ने इस आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले सभी श्रद्धालुओं और भक्तजनों के प्रति हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। इस आयोजन ने न केवल भक्ति का माहौल बनाया, बल्कि सामुदायिक एकता और सहयोग को भी मजबूत किया।

यह आयोजन भक्तों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा और माता शीतला के प्रति उनकी आस्था को और गहरा करने में सफल रहा।

सैलाना महाविद्यालय को प्रिया ने किया गौरवान्वित

डीएसटी इंस्पायर स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाली महाविद्यालय की पहली छात्रा

सैलाना। शासकीय महाविद्यालय सैलाना की छात्रा प्रिया कुमावत पुत्री श्री सुरेश कुमावत , बीएससी प्रथम वर्ष, निवासी सैलाना कुमावतपुरा को डिपार्टमेंट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की इंस्पायर स्कॉलरशिप के तहत ?80,000 रूपए की धनराशि स्नातक के दौरान प्रतिवर्ष प्राप्त होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस सी जैन ने बधाई दी है तथा इस स्कॉलरशिप हेतु मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए डॉ. आर. पी. पाटीदार, डॉ. सौरव ई. लाल , प्रो. अनुभा कानड़े एवं डॉ. रविकांत को विशेष रुप से धन्यवाद दिया । प्रिया को उक्त स्कॉलरशिप प्राप्त होने पर पूरा महाविद्यालय एवं विद्यार्थी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। प्राचार्य डॉ. जैन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हम सब के लिए गर्व का विषय है । इस अवसर पर डॉ. डी एस मंडलोई तथा लक्ष्मण सिंह भंवर उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि कु. प्रिया महाविद्यालय की प्रथम छात्रा हैं , जिन्हें यह स्कॉलरशिप प्राप्त हुई है।

अग्निवीर अतुल मुकेश पाटीदार (चौधरी) का भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया सम्मान

सैलाना की माटी में जन्मे अतुल मुकेश पाटीदार का अग्नि वीर योजना के तहत सेना में चयन होने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष पंकज राठौर जनपद अध्यक्ष कैलाशी चारेल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने साल श्रीफल से अतुल पाटीदार और उनके परिवार का स्वागत सम्मान किया।

मंडल अध्यक्ष पंकज राठौर ने कहा की यह समस्त सैलाना नगर वासियों के लिए बहुत ही हर्ष और गौरव का विषय है की मां भारती की सेवा में सैलाना के लाल अतुल पाटीदार का चयन हुआ है हमें अतुल पाटीदार के परिवार पर गर्व है इस अवसर पर सरवन मंडल अध्यक्ष भेरू सिंह निनामा महामंत्री सुभाष भाभर मंडल उपाध्यक्ष अंबिका पाटीदार गोपाल जाट सौरभ राका लखन चंदेल दिनेश सोनावा पार्षद प्रतिनिधि किशोर कसेरा सुनील राठौर शांतिलाल चौहान शेर सिंह राठौड़ राहुल गुर्जर सहीत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाबालिग को बहला फुसलाकर ले गया था जयपुर,वहां कई बार किया दुष्कर्म

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय ने भेजा जेल

आगर-मालवा । जिले के कानड़ थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम बिजना खेड़ी से एक नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर जयपुर ले जाकर उससे कई बार दुष्कर्म करने के आरोपी को कानड़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है न्यायालय ने उक्त आरोपी को जेल भेज दिया।

कानड़ थाना प्रभारी राजकुमार दांगी ने जानकारी देते बताया कि 17 मई को कानड़ थाने में गुमशुदगी दर्ज की गई थी, जिसमें नाबालिग लड़की के परिजनों ने बताया था कि उनकी लड़की लापता हो गई है, मामले में पुलिस द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए 20 दिन में नाबालिग लड़की को राजस्थान के जयपुर से दस्तयाब किया गया और कानड़ लाकर पूछताछ की गई तो पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसे बहला फुसलाकर जयपुर ले गया था वहां पर आरोपी ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया पुलिस ने गुमशुदी की एफआईआर में इजाफा करते हुए धारा 376 में आरोपी श्याम सिंह पिता हटेसिंह निवासी ग्राम बिजना खेड़ी को गिरफ्तार करने के पश्चात न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मप्र आदिवासी विकास परिषद् ने मनाई भगवान श्री बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि

संकल्प अभियान-2025 अंतर्गत समाज के कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उर्त्तीण छात्राओं एवं खेलकूद गतिविधियों में विजेताओं को किया गया सम्मानित

झाबुआ। भगवान श्री बिरसा मुंडा की 125 पुण्यतिथि पर मप्र आदिवासी विकास परिषद् द्वारा राज्य व्यापी बिरसा मुंडा संकल्प अभियान-2025 चलाया गया। जिसके अंतर्गत भगवान बिरसा मुंडा की 125 पुण्यतिथि के अवसर पर आदिवासी विकास परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष एवं मप्र में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में 9 जून, सोमवार को शहर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिसमें वर्ष 2025 में समाज के कक्षा 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं एवं खेलकूद तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य आदिवासी समुदाय के युवाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना और उन्हें सामाजिक नेतृत्व के लिए तैयार करना रहा। कार्यक्रम में आदिवासी समाज के गणमान्य नागरिक, अभिभावकगण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मंच से वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेने और शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाने की अपील की। रानापुर रोड़ पर भगवान श्री बिरसा मुंडाजी की प्रतिमा पर सभी ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन भी किया।

भगवान बिरसा मुंडा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा

परिषद् के जिलाध्यक्ष विनय भाबर ने कहा कि यह अभियान केवल सम्मान का कार्यक्रम नहीं बल्कि एक संकल्प है कि हमारा समाज शिक्षा, आत्मनिर्भरता और अधिकारों की दिशा में संगठित रूप से आगे बढ़े। मप्र आदिवासी विकास परिषद् इसी दिशा में काम कर रही है। इस अवसर पर परिषद् की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि अभियान अंतर्गत हर जिले में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि भगवान बिरसा मुंडा की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। संपूर्ण कार्यक्रम में मप्र आदिवासी विकास परिषद् से जुड़े कमलेश परमार, पंकज पालिया, प्रकाश ख़पेड़, अर्जुन सिंगाड़, पंकज सिगाड़, दिनेश भाबर, कमल खराड़ी, जितेन्द्र डावर, निलेश भूरिया, मनीष कलेश राकेश अजनार, महेश बामनिया, सुभाष गुंडिया, साबुरिया भूरिया आदि सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेजश धाड़ीवाल ने जैन धर्म का कठिन उपधान तप किया पूर्ण, मोक्षमाल से हुई अनुमोदना

आष्टा। नगर के प्रतिष्ठित धाड़ीवाल परिवार के सदस्य वीरेंद्रकुमार धाड़ीवाल के सुपौत्र एवं राहुल धाड़ीवाल के सुपुत्र तेजश धाड़ीवाल(आदि) ने उम्र 11 वर्ष ने नासिक (महाराष्ट्र) में 47 दिवसीय उपधान तप की कठिन तपस्या पूर्ण की,,, जिसकी पूर्णाहुति स्वरूप वहां पर निश्रा प्रदान कर रहे सुरिमंत्र समाराधक आचार्य श्रीमद विजय कुमुदचंद्रसूरी म.सा. ने आदि को मोक्ष माल पहनाई और इतनी कम आयु में भी जैन धर्म के इस कठिन तप को सानंद संपन्न करने पर बालक की अनुमोदना कर उसके आगामी धर्म मय जीवन की कामना कर शुभाषीश प्रदान किया।। ज्ञात रहे कि उपधान तप जैन परम्परा के एक कठिनतम तपस्या है इसमें 47 दिन तक घर परिवार को छोड़ कर मंदिर में साधु की तरह रहना होता है।

सोमवार तक जारी रहा चाय के डिस्पोजल में यूरीन सैंपल

शासकीय अस्पताल में मरीजों की जान के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है अस्पताल में मरीज से जांच के लिए कई महीनो से डिस्पोजल कप में कर्मचारी यूरीन सैंपल भरवा रहे हैं यह डिस्पोजल कप कागज के चाय वाले कप है। इससे सैंपल गिरने एवं बदलने का खतरा है 5 दिन पहले खबर प्रकाशित की गई थी यूरीन सैंपल डिस्पोजल को लेकर लेकिन आज तक सुधार नहीं हुआ आल्हा अधिकारियों के कानों पर जू तक नहीं रेंगी। नहीं किसी अधिकारी को समझ आया मरीजों की जान से खिलवाड़ आज तक जारी है इसको देखते हुए पत्रकार नवीन बारचे ने बाजार से यूरिन कंटेनर खरीद कर अस्पताल को भेंट किया बड़ी शर्म की बात है रोगी कल्याण समिति में लाखों रुपया जमा है लेकिन वह आम जनता के काम का नहीं वह पैसा फिजूल खर्ची एवं फर्जी बील लगाकर निकलने का सिलसिला जारी है ना तो अधिकारी कुछ बोल रहे हैं ना जनप्रतिनिधि ना रोगी कल्याण समिति के सदस्य सभी की सभी मौन है। डॉक्टर का आने-जाने का कोई समय नहीं है जिसकी मर्जी जब आती जब चले जाते हैं जब आ जाते हैं यहां तक फर्जी बिलों की जांच होनी चाहिए कौन से मद का पैसा कहां लगा और कौन-कौन से बिल लगे और बिना कारण के काम करवा सबकी जांच होनी चाहिए।

बिरसा मुंडा के कार्यों से लेकर प्रेरणा लेने का लिया संकल्प

जयस ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

झाबुआ। जय आदिवासी युवा शक्ति मंच (जयस) नई सोच नई-उड़ान ने भगवान श्री बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर समीपस्थ ग्राम बिलिडोज में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा उनके द्वारा समाज और राष्ट हित में किए गए कार्यों से प्रेरणा लेने हेतु संकल्प दोहराया।

इस दौरान जयस जिलाध्यक्ष विजय डामोर ने बताया कि बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के क्रूर शासन के खिलाफ बिगुल फूंकने का काम किया। आप महान स्वतंत्रता सेनानी, आदिवासी समाज के रक्षक, आदिवासी महानायक, धरती आबा के नाम से पहचाने जाते है। आपने जल, जंगल, जमीन के लिए लड़ाई लड़ी। देश और आदिवासी समाज के लिए विशेष कार्य किए, जो प्रेरणा स्त्रोत है। अंग्रेजों को भारत की धरती से खदेड़ा। आदिवासियों को उनकी जमीन दिलवाने में बिरसा मुंडा का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर जयस से जुड़े कमजी मेड़ा, राजू मेड़ा, कालू मेड़ा, सूरसिंह भूरिया, अरमान अमलियार, कांतिलाल भूरिया, रामू भूरिया, कमलेश भाबर, भूरू डामोर, हेमराज ताहेड, हुमा ताहेड, राकेश भूरिया, मुकेश परमार, धनसिंह भूरिया, राकेश भाबर, अंकुर कटारा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जाको राखे साइयां मारी सके न कोई

डीजे बंद करने पर नाराज युवक चढ़ा हाईटेंशन टावर पर, 12 घंटे बाद रेस्क्यू कर बचाई जान

राधेश्याम सोनी

मोहन बड़ोदिया / क्षेत्र के ग्राम भंवरासा में रविवार रात एक ऐसी घटना सामने आई जिसने जाको राखे साइयां मारी सके न कोई कहावत को पूर्ण रूप से चरितार्थ कर दिया। शादी समारोह में डीजे बंद करने पर पिता से नाराज होकर एक युवक हाईटेंशन विद्युत टावर पर चढ़ गया। गनीमत रही कि समय पर सूचना मिलने पर प्रशासन और रेस्क्यू टीम ने युवक की जान बचा ली।

जानकारी के अनुसार, प्रकाश (उम्र 30 वर्ष), पिता मोहनलाल, रविवार रात ग्राम भंवरासा में चल रहे शादी समारोह में डीजे बजने के दौरान अपने पिता से विवाद कर घर से निकल गया। बताया जाता है कि रात लगभग 1 बजे के आसपास युवक घर छोड़कर चला गया। सुबह ग्रामीणों ने उसे गांव के पास स्थित एक बड़े हाईटेंशन टावर पर बैठे देखा।

इसकी सूचना तत्काल पुलिस और विद्युत विभाग को दी गई।

सुबह 8 बजे विद्युत विभाग से मुरली मालवीय, गिरराज और मोहन बड़ोदिया थाना प्रभारी प्रेम किशोर व्यास अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सुरक्षा को देखते हुए सबसे पहले टावर की बिजली लाइन को बंद कराया गया।

इसी बीच राजगढ़, आगर और पचोर से रेस्क्यू टीमें भी घटनास्थल पर पहुंचीं। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर 12 बजे युवक को सुरक्षित नीचे उतारा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ भी मौके पर जमा हो गई थी। राजगढ़ से रेस्क्यू टीम के साथ पहुंचे अजय कुमार गोंडा ने बताया कि, ÷जब तक युवक को नीचे नहीं उतार लिया गया, तब तक टावर की लाइन बंद कर दी गई थी। लेकिन जब युवक टावर पर चढ़ा तब लाइन चालू थी, लेकिन किस्मत से कुछ अनहोनी नहीं हुई। वास्तव में जाको राखे साइयां मारी सके न कोई जैसी कहावत इस मामले पर बिल्कुल फिट बैठती है।

फिलहाल युवक को प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण के लिए भेजा गया है और उसके परिजनों को आवश्यक सलाह दी गई है।

जकार्ता में इंडोनेशियाई ओपन के मिश्रित युगल बैडमिंट मुकाबले में खेलती हुई फ्रांस और थाईलैंड के खिलाड़ी की जोड़ी।

ऋषभ और वेंकटेश ही नहीं , नटराज भी मोटी रकम मिलने के बाद फ्लाप रहे

नई दिल्ली । आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर खराब प्रदर्शन के लिए सबसे निशाने पर रहे हैं। इसका कारण है कि करोड़ों की राशि मिलने के बाद भी ये रन नहीं बना पाये। वहीं एक खिलाड़ी ऐसा है जिसपर किसी का ध्यान नहीं गया क्योंकि उसने केवल 3 ओवर फेंके हैं और उसे करीब 11 करोड़ मिले हैं। इसके बाद भी वह आलोचना से बचा हुआ है। ये खिलाड़ी तेज गेंदबाज टी नटराज है। ऋषभ आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने, जिन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स से 27 करोड़ मिले। वहीं, वेंकटेश अय्यर इस लीग के इतिहास के चौथे सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी थे। उनको कोलकाता नाइट राइडर्स ने 23 करोड़ 75 लाख रुपये में खरीदा था। ऋषभने 14 मैचों में 269 रन बनाए और वेंकटेश अय्यर ने 11 मैचों की 7 पारियों में 142 रन बना सके। वहीं नटराजन को दिल्ली कैपिटल्स ने 10.75 करोड़ रुपये में नीलामी में खरीदा था पर इस गेंदबाज को केवल दो मैचों में खेलने का ही अवसर मिला। इनमें से भी एक मैच में गेंदबाजी की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि मैच बारिश में धुल गया था। एक मैच में गेंदबाजी आई, जिसमें अपने कोटे के चार ओवरों में से सिर्फ 3 ओवर किए और 49 रन दिए।

रोहित-कोहली की गैरमौजूदगी के बावजूद दर्शकों के जोश में कमी नहीं

लंदन (यूके) (एजेंसी)। हाल ही में भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। इसके बाद अब भारतीय टीम की कमान युवा बल्लेबाज शुभमन गिल के हाथों में सौंपी गई है। इसी बदलाव के साथ भारत इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा, जो 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत भी है। रोहित-कोहली की गैरमौजूदगी के बावजूद दर्शकों का जोश कम नहीं हुआ है। इंग्लैंड में इस टेस्ट सीरीज के सभी मुकाबलों के टिकट बिक चुके हैं, जिससे यह साफ जाहिर होता है कि भारतीय क्रिकेट का आकर्षण अब भी बना हुआ है। भारत की टीम मुंबई से लंदन पहुंच चुकी है और खिलाड़ियों ने अपनी तैयारियों की शुरुआत भी कर दी है। लंदन में टीम इंडिया ने लॉर्ड्स इंडोर क्रिकेट सेंटर में अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया, जिसकी अगुवाई मुख्य कोच गौतम गंभीर कर रहे हैं। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर टीम इंडिया के ट्रेनिंग सेशन की झलकियां साझा कीं और लिखा, इंग्लैंड में टीम इंडिया की लय में आने का पहला नजारा। वीडियो में देखा गया कि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और अर्शदीप सिंह ने तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी संभाली, जबकि कप्तान शुभमन गिल, विकेटकीपर ऋषभ पंत और अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी जमकर अभ्यास करते दिखे। पंत लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं और उन पर सबकी निगाहें टिकी हैं। भारत की नजरें 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने पर हैं। पिछली बार भारत ने इंग्लैंड की धरती पर 17 साल पहले टेस्ट सीरीज अपने नाम की थी। अब नए नेतृत्व और नई सोच के साथ टीम एक बार फिर इतिहास रचने का इरादा लेकर उतरेगी। शुभमन गिल की यह पहली बड़ी कप्तानी परीक्षा होगी और साथ ही गौतम गंभीर का कोचिंग प्रभाव भी इस दौरे में साफ तौर पर देखा जाएगा।

इंग्लैंड के कठिन हालातों में नई भारतीय टीम किस तरह खुद को साबित करती है, यह देखना दिलचस्प होगा।

दोनों टीमें गेंदबाजी आक्रमण के मामले में संतुलित: आरोन फिंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और बल्लेबाज आरोन फिंच का मानना है कि मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का गेंदबाजी आक्रमण दक्षिण अफ्रीका की तुलना में अधिक अनुभवी और प्रभावशाली है। फिंच ने ऑस्ट्रेलिया की ताकत का बखान करते हुए कहा कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में उसके गेंदबाजों को अधिक अनुभव है, जिससे उसे बढ़त मिलती है। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि दोनों टीमें गेंदबाजी आक्रमण के मामले में संतुलित हैं। मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, स्कॉट बोलैंड और नाथन लियोन जैसे गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया की ताकत हैं।

शेफर्ड और होल्डर ने आदिल के एक ही ओवर में बनाये 31 रन

इंग्लैंड के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज बने

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच को चार विकेट से जीत लिया। वेस्टइंडीज ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 196 रन बनाये। इसे बाद इंग्लैंड ने ये लक्ष्य छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

इंग्लैंड के लिए इस मैच में ल्यूक वुड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए। वहीं आदिल राशिद बेहद महंगे साबित हुए। राशिद ने एक ही ओवर में 31 रन दे दिये। यह टी-20 में किसी भी इंग्लैंड के गेंदबाज द्वारा किया गया दूसरा सबसे महंगा ओवर बन गया, इससे पहले 2007 टी20 विश्व कप के दौरान स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में युवराज सिंह से छह छक्के लगाकर 36 रन बनाये थे।

राशिद ने पारी का 19 ओवर जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड को किया। उनके ओवर की पहली ही गेंद पर होल्डर ने छक्का लगा दिया। इसके बाद दूसरी गेंद पर भी छह रन गये। वहीं तीसरी गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर छक्का लगा। चौथी गेंद पर होल्डर ने एक रन बनाया। इसके बाद शेफर्ड ने पांचवीं गेंद और छठी गेंद पर छक्का लगाकर ओवर समाप्त किया।

इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। एविन लुईस जल्दी आउट हो गए पर शाई होप और जॉनसन चार्ल्स ने 90 रन बनाकर पारी संभाली। होप 49 रन बनाकर आउट हुए। रोवमैन पॉवेल और जेसन होल्डर ने वेस्टइंडीज को 20 ओवर में छह विकेट पर 196 रनों तक पहुंचा दिया। इंग्लैंड की ओर से टॉम बैंटन ने 30 रन और जैकब बेथेल ने 26 रन बनाये। दूसरे मैच जीतने के साथ ही इंग्लैंड को तीन मैच की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

म्यूनिख में यूरोपीय नेशंस लीग फुटबॉल में जीत के बाद पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ट्राफी लेकर अपने साथियों के साथ नजर आये।

झनक 20 साल के लीप के साथ शुरू हो रही है नई कहानी!

शो झनक एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने को तैयार है। दमदार कहानियों और मजबूत महिला किरदारों के लिए मशहूर ये चैनल अब शो में ला रहा है एक बड़ा ट्विस्ट यानी 20 साल का लीप। इस लीप के साथ कहानी में नए चेहरे जुड़ेंगे, इमोशन्स और गहराई और बढ़ेगी।झनक का नया प्रोमो 20 साल के लीप के साथ कहानी का एक नया चैप्टर शुरू करता है। अब फोकस झनक की बेटी पर है, जिसमें भी अपनी मां जैसी आग और जज़्बा नजर आता है। साइकिल पर सवार होकर जब वो सड़कों से गुजरती है, तो उसके तेवर और कॉन्फिडेंस देखकर एक बार फिर जवां झनक की याद ताज़ा हो जाती है। और फिर एक जबरदस्त मोड़ आता है, जब उसकी टक्कर होती है एक पुलिसवाले से, यही ये टक्कर आगे की कहानी की दिशा तय करेगी।

पापराज़ी ने डिजिटल स्टोरीटेलिंग को दी नई दिशा

अजिंक्य जाधव की पापराज़ी एंटरटेनमेंट कंपनी ने‹द्ध और इंसानी रचनात्मकता के मेल से डिजिटल स्टोरीटेलिंग की दुनिया में क्रांतिकारी कदम रखा है। कंपनी का पहला‹द्ध म्यूज़िक वीडियो तेरे बिना अधूरा पहले ही रिलीज़ हो चुका है और इसके बाद कई और‹द्ध आधारित प्रोजेक्ट्स जैसे म्यूज़िक वीडियो, विज्ञापन और यहां तक कि‹द्ध इंफ्लुएंसर भी लाइन में हैं।पापराज़ी एंटरटेनमेंट में हमारे लिए यथार्थ केवल दृश्य प्रभाव नहीं है, बल्कि भावनात्मक सच्चाई है। अजिंक्य कहते हैं, हमारे‹द्ध जनित वीडियो यथार्थ का अनुभव कराते हैं क्योंकि इनमें हमने एडवांस रेंडरिंग–जैसे लाइटिंग, टेक्सचर, और मोशन–को मानवीय तत्वों से जोड़ा है, जैसे माइक्रो-एक्सप्रेशन, नेचुरल डायलॉग फ्लो और विश्वसनीय कहानी का प्रवाह।वह आगे कहते हैं, हम‹द्ध को एक टूल की तरह इस्तेमाल करते हैं, लेकिन निर्देशन पूरी तरह से इंसानी होता है।

सान्या ने जीता पीपुल्स च्वाइस स्टार ऑफ द ईयर सम्मान

स्टार परफॉर्मर सान्या मल्होत्रा ने एक बार फिर सबका दिल जीत लिया, जब उन्हें एक प्रतिष्ठित अवॉर्ड इवेंट में पीपल्स चॉइस स्टार ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अपनी सच्ची और सहज अभिनय शैली तथा हालिया फिल्म 'मिसेज़' में प्रभावशाली किरदार के लिए जानी जाने वाली सान्या की यात्रा एक पावर परफॉर्मर से लेकर फैंस की फेवरेट बनने तक प्रेरणादायक रही है।सान्या ने इस सम्मान को लेकर एक भावुक और आभार भरा पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा- मिसेज के लिए पीपुल्स च्वाइस स्टार ऑफ द ईयर अवार्ड से मुझे सम्मानित करने के लिए बॉलीवुड हंगामा का धन्यवाद। मैं अपनी टीम और उन सभी अद्भुत लोगों के प्यार, प्रेरणा और निरंतर समर्थन के लिए बेहद आभारी हूं, जिन्होंने 'मिसेज़' से गहराई से जुड़ाव महसूस किया। काफ़ी खुशी है।

पवन कल्याण ने 'OG' की शूटिंग पूरी कर दी

पावर स्टार पवन कल्याण ने 'OG' की शूटिंग खत्म कर ली है – और इसी के साथ इस मोस्ट अवेटेड एक्शन एंटरटेनर ने एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है! प्रोडक्शन हाउस DVV एंटरटेनमेंट ने ये ज़बरदस्त अपडेट अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर शेयर किया, कैप्शन के साथ-*गंभीरा के लिए पैकअपज रिलीज़ के लिए तैयार हो जाइएसुझीत के डायरेक्शन में बनी 'OG' एक हाई-वोल्टेज सिनेमा धमाका होने वाली है, जिसमें पावर स्टार पवन कल्याण निभा रहे हैं सबकी चर्चा में छाए किरदार 'गंभीर' की भूमिका! फिल्म में इमरान हाशमी, प्रियांका अरुल मोहन, प्रकाश राज और श्रिया रेड्डी जैसे दमदार सितारे भी अहम रोल्स में नज़र आएंगे

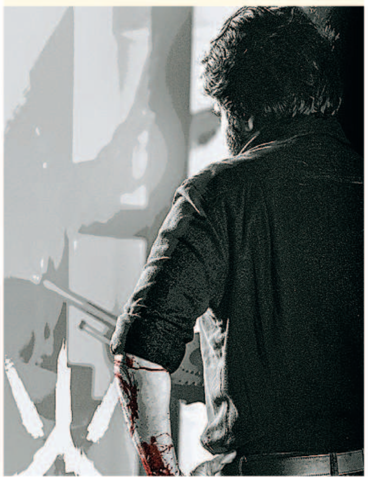

शुभांगी और मून की 18 साल बाद मुलाकात

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने हाल ही में मलाड के मशहूर वेजिटेरियन रेस्टोरेंट नोवारा में मून बनर्जी के साथ एक खास मीडिया इवेंट में शिरकत की। यह मुलाकात सिर्फ एक प्रोफेशनल अपीयरेंस नहीं थी, बल्कि 18 साल बाद दोनों अभिनेत्रियों का अनौपचारिक मिलन भी था। इस दिन में हंसी, गर्मजोशी और पुराने दिनों की यादें घुली हुई थीं।जहां शुभांगी को दर्शक भाभीजी घर पर हैं की अंगूरी भाभी के किरदार से बेहद पसंद करते हैं, वहीं मून बनर्जी जल्द ही नयनतारा शो में नजर आएंगी। दिलचस्प बात यह है कि दोनों ने करीब 18 साल पहले एकता कपूर के शो में साथ काम किया था। इतने लंबे अंतराल के बाद उनकी ये मुलाकात एक प्यारी और भावुक पुनर्मिलन की तरह रही।

पृथ्वीराज चौहान की जन्मभूमि आबाद है

शो 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' का एक प्रोमो देखकर एक्टर विक्रांत मैसी को हमारे इतिहास के बारे में खुलकर बताने के लिए प्रेरणा मिली। विक्रांत मैसी कहते हैं, कम लोग जानते हैं कि इतिहास मेरा फेवरेट सब्जेक्ट रहा है। मैं आज भी यूं ही किताबें पढ़ता हूं क्योंकि आज को समझने के लिए बीते हुए कल को समझना बहुत ज़रूरी है। हाल ही में मैंने सोनी टीवी के आने वाले शो का प्रोमो देखा तो मन में एक बात आई।कौन कहता है कि पृथ्वीराज चौहान मोहम्मद गौरी से हार गया? पृथ्वीराज चौहान ने बार-बार गौरी को युद्ध में हराया और बार-बार माफ़ किया। जब एक बार गौरी ने छल से बाज़ी जीती, उसने पृथ्वीराज को क़ैद कर लिया, उनकी आंखें निकलवा लीं और जानवरों जैसी मौत दी। लेकिन किताबें कहती हैं और हमारा पड़ोसी देश सोचता है कि पृथ्वीराज हार गया। ये ग़लत है। पृथ्वीराज हारा नहीं। देश, समाज, सभ्यता, एक घटना और एक युद्ध से बनते या बिगड़ते नहीं हैं। सदियों और कभी कभी हज़ारों साल लग जाते हैं इन फ़ैसलों में। आज, लगभग 1000 साल बाद भी पृथ्वीराज चौहान की जन्मभूमि आबाद है। दिल्ली, अजमेर और पूरा हिंदुस्तान खुशहाल है, तरक़्क़ी कर रहा है। वहीं, मोहम्मद गौरी का घोर, पूरे संसार में सबसे पिछड़ा इलाक़ा बन गया है।

'धमाल 4' में जलवा बिखेरने के लिए तैयार ईशा गुप्ता

कॉमेडी फिल्म फ्रैंचाइज़ी 'धमाल 4' में अभिनेत्री ईशा गुप्ता जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। ईशा गुप्ता अपने आत्मविश्वास, खूबसूरती और प्रभावशाली अभिनय के लिए जानी जाती हैं। 'धमाल 3' में उन्होंने अपने स्टाइल और बेबाक अंदाज़ से दर्शकों को खूब प्रभावित किया था। अब धमाल 4 में उनकी वापसी को एक तरह से 'फुल-सर्कल मोमेंट' कहा जा रहा है, क्योंकि इस बार उनका किरदार सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कहानी की दिशा तय करने में भी बड़ी भूमिका निभाएगा। सूत्रों के मुताबिक, उनका रोल बोल्ड, मजेदार और फिल्म की प्रमुख घटनाओं से जुड़ा हुआ होगा। निर्देशक इंद्र कुमार ने भी ईशा को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि उनके साथ काम करना हमेशा ही एक सुखद अनुभव होता है। उन्होंने ईशा को न सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री, बल्कि एक शानदार इंसान भी बताया। हालांकि फिल्म में उनके किरदार की विस्तृत जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन इतना तय है कि वह इस बार दर्शकों को सिर्फ हंसी नहीं, बल्कि कई दिलचस्प मोड़ भी देने वाली हैं। हाल ही में ईशा गुप्ता हनी सिंह और जुबिन नौटियाल के साथ म्यूज़िक वीडियोज़ 'ब्राउन आइज़ वाली' और 'इश्क मेरा' में नजर आई थीं, जो यूट्यूब पर खूब पसंद किए गए। उनकी लोकप्रियता में इस कारण और भी इज़ाफा हुआ है।

मैंने प्यार किया फिर से का मुहूर्त

पर्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के चेयरमैन और सिनेबस्टर मैगज़ीन प्रा. लि. के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स अब फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख चुके हैं। बतौर निर्माता उनकी हिंदी फिल्म मैंने प्यार किया फिर से का मुहूर्त मुंबई में बेहद आयोजित किया गया, जिसमें कई नामचीन हस्तियां शामिल हुईं।इस खास मौके पर रॉनी रॉड्रिग्स के बेटों, चार्ल्स और काडेन का 11वां जन्मदिन भी भव्य रूप से मनाया गया। होटल सहारा स्टार में आयोजित इस कार्यक्रम में धर्मेंद्र, अरबाज खान, विद्या मालवाडे, उदित नारायण, दिलीप सेन, राजपाल यादव, सोनू बगगड़, गणेश आचार्य, ब्राइट आउटडोर मीडिया के योगेश लखानी, कंगना शर्मा, दीपक तिजोरी, चीता यज्ञेश शेट्टी सहित कई मशहूर हस्तियां मौजूद थीं

राष्ट्रपति की गरिमामय उपस्थिति में विश्व सिकल सेल दिवस 19 को

बड़वानी में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम, सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों को किया जायेगा सशक्त, उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतें होंगी सम्मानित, सिकल सेल रोगियों के लिए प्रभावित 33 जिले में लगाये जाएंगे विशेष शिविर

भोपाल। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि रहेंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्रीगण शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा। इनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशानिर्देश/मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम दिवस में प्रदेश में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता लाने की गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। सिकल सेल प्रभावित 33 जिलों में विशेष परामर्श शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहाँ उन्हें आनुवंशिक परामर्श, रोग प्रबंधन, भावी पीढ़ी के लिए संभावनाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। उप-केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर रोगियों की पहचान, स्क्रीनिंग तथा परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जायेगी। सिकल सेल रोगियों और उनके देखभाल कर्ताओं को पेन क्राइसिस जैसी तीव्र स्थितियों में प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। जिले की विशेष रूप से प्रभावित जनजातीय एवं ग्रामीण पंचायतों में स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए अभियान चलाया जाएगा। राज्य स्तर पर विकसित जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड का वितरण किया जाएगा, जिससे लोगों को आनुवंशिक जानकारी समझने में सुविधा होगी। विकलांगता योजनाओं और वित्तीय सहायता से सिकल-सेल रोगियों को जोड़ने की प्रक्रिया सरल करने के लिए यूडीआईडी कार्ड निर्माण के लिए मेगा शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा। प्रदेश में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 5 लाख नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग पूरी की जा चुकी है। इनमें 2 लाख से अधिक वाहक चिन्हित हुए और 28 हज़ार 297 लोग सिकल सेल रोग से ग्रसित पाए गए। इन मरीजों का उपचार जारी है। अब तक 75 लाख 36 हज़ार से अधिक सिकल सेल कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। जिनसे प्रभावित नागरिक अपनी स्वास्थ्य स्थिति को समझ कर उचित उपचार प्राप्त कर रहे हैं। प्रदेश में मिशन की शुरुआत 15 नवंबर 2021 को राज्य हिमोग्लोबिनोपैथी मिशन के रूप में अलीराजपुर और झाबुआ में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिशन को 1 जुलाई 2023 को राष्ट्रीय स्तर पर शहडोल से लॉन्च किया था। वर्तमान में प्रदेश के 33 जिलों में स्क्रीनिंग जारी है, जिसमें 20 जिलों के 89 विकासखंड एवं 13 अतिरिक्त जिले (पीएम जनमन योजना) शामिल हैं। सिकल सेल उन्मूलन के लिए हमने एम्स भोपाल में नवजात शिशुओं की 72 घंटे में जाँच के लिए विशेष लैब स्थापित है। सभी चिन्हित मरीजों को हाइड्रॉक्सीउरिया, फॉलिक एसिड और नि:शुल्क रक्ताधान की सुविधा प्रदान की जा रही है। गंभीर मरीजों के लिए इंदौर मेडिकल कॉलेज में बोनमेरो ट्रांसप्लांट यूनिट स्थापित की गई है, जहाँ 100 से अधिक ट्रांसप्लांट हो चुके हैं। रीवा में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित किया गया है। मध्यप्रदेश में मिशन के तहत 2047 तक सिकल सेल को पूरी तरह समाप्त करने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सतत और सशक्त प्रयास किये जा रहे है।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश का बड़ा कदम

भोपाल में आज ऊर्जा समागम, मुख्यमंत्री करेंगे सूर्य मित्र समिट का शुभारंभ

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र के साथ भारत को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए मध्यप्रदेश सरकार एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। मंगलवार, 10 जून को राजधानी भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना समिट का आयोजन किया जा रहा है। समिट का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे, जबकि नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस समिट का उद्देश्य छोटे निवेशकों और किसानों को सौर ऊर्जा उत्पादन में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10.30 बजे रजिस्ट्रेशन के साथ होगा। समिट में विषय-विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सत्रों में सौर ऊर्जा परियोजनाओं, निविदा प्रक्रिया, वित्तीय सहायता और तकनीकी पक्षों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। ऊर्जा विकास निगम के एमडी अमनबीर सिंह बैंस सुबह 11 बजे परियोजना की विशेषताओं पर प्रकाश डालेंगे। इसके साथ ही बैंकर्स, इनवर्टर निर्माता और तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा भी उपयोगी जानकारी साझा की जाएगी। इस योजना के तहत प्रदेश के 1900 से अधिक विद्युत उपकेंद्रों (सबस्टेशनों) पर 14,500 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाओं की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। यह परियोजनाएं 100 प्रतिशत क्षमता तक विद्युत आपूर्ति के लिए होंगी और 'वोकल फॉर लोकल' सिद्धांत के तहत स्थानीय उद्यमियों को निवेश एवं रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके अलावा, एग्रीकल्चर इंफ्रा फंड से वित्त पोषण के तहत निवेशकों को सात वर्षों तक 3 प्रतिशत ब्याज में छूट का भी लाभ मिलेगा। सरकार इन परियोजनाओं के लिए 25 वर्षों तक विद्युत क्रय अनुबंध करेगी। इस समिट से राज्य के किसान, उद्यमी, तकनीकी विशेषज्ञ और बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को सौर ऊर्जा में निवेश और कार्यान्वयन की नई संभावनाएं मिलेंगी।

डाटा अपडेशन में किसी भी प्रकार की देरी पर होगी कार्रवाई : उप मुख्यमंत्री

भोपाल। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने प्रदेश के सभी कर्मचारियों के डाटा को समय पर अपडेट करने के निर्देश जिम्मेदार अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने निर्देशित किया है कि डाटा अपडेशन में देरी पर संबंधित डीडीओ की जिम्मेदारी तय की जाए। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने बताया कि डाटा क्लीनिंग एक्सरसाइज एक सतत् प्रक्रिया है, जिससे सेवानिवृत्त होने वाले, प्रतिनियुक्ति पर रहने वाले कर्मचारियों, मृत कर्मचारियों एवं अन्य विभिन्न स्थितियों में अन्य स्थानों पर कार्य करने वाले कर्मचारियों का डाटा अपडेट किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कर्मचारियों का डाटा सत्यापन किया गया है और अभी तक कोई भी कर्मचारी संदिग्ध नहीं पाया गया है अर्थात किसी भी कर्मचारी को किसी भी प्रकार से कोई भी आर्थिक लाभ नियमों के विपरीत नहीं मिला है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने बताया कि डाटा क्लीन करने की प्रक्रिया के बाद IFMIS NEXT GEN में Data Migration करना सुविधाजनक होगा। इससे शुद्ध डाटा की फीडिंग हो सकेगी। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने बताया कि प्रदेश में आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा गठित स्टेट फाइनेंशियल इंटेलिजेंस सेल (SFIC) द्वारा विभिन्न डाटा सेट्स का परीक्षण तथा विश्लेषण निरंतर हो रहा है। सरकार द्वारा सुशासन के दृष्टिगत की जाने वाली कार्यवाही में IFMIS डाटा से संज्ञान में आया कि प्रदेश में 36 हजार 26 नियमित, 8 हजार 784 गैर नियमित कुल मिलाकर 44 हजार 810 कर्मचारियों का वेतन आहरित नहीं किया गया है। शासन स्तर से वेतन आहरण नहीं होने के कारणों का पता लगाने के लिये निर्देश जारी किये गये। संभावित कारणों की पड़ताल होने पर जांच में सामने आया कि त्यागपत्र देने वाले कर्मचारी, सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी, प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले कर्मचारी, बगैर एम्पलाई कोड वाले कर्मचारी और मृत कर्मचारियों का डाटा समय पर अपडेट नहीं होने से कर्मचारियों का डाटा मिसमेच हुआ है। शासन स्तर से इनकी वास्तविक संख्या ज्ञात करते हुए IFMIS में DDO तथा कोषालय अधिकारी स्तर से डेटाबेस में आवश्यक अपडेट कराने के उद्देश्य से समस्त DDO से जानकारी कोषालय अधिकारियों के माध्यम से एकत्रित कर भविष्य में सभी प्रविष्टियां समय पर करने के निर्देश दिये गये हैं। आयुक्त कोष एवं लेखा ने बताया है कि इस सन्दर्भ में ऐसे नियमित एवं गैर नियमित कर्मचारियों की डाटा सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की गई है, जिनका वेतन IFMIS कोषालय प्रणाली से आहरित नहीं हुआ है, (यह अन्य किसी प्रणाली से आहरित हो सकता है यथा प्रतिनियुक्ति, स्थानीय निकाय आदि)। इसके साथ अन्य संभावित कारणों को DDO के माध्यम से एकत्रित किया गया है। आयुक्त कोष एवं लेखा ने बताया कि प्रथम दृष्टया छ्ठ्ह से सत्यापन उपरांत जानकारी विश्लेषण करने पर अभी तक कोई संदिग्ध कर्मचारी परिलक्षित नहीं हुआ है। समस्त DDO को एम्पलाई कोड के समक्ष उपयुक्त flagging करने तथा एग्जिट एंट्री इत्यादि के माध्यम से डेटाबेस अद्यतन करने के निर्देश दिये गये हैं।

स्टोन क्रेशर संचालकों की प्रदेशव्यापी हड़ताल
रॉयल्टी-स्टांप ड्यूटी के खिलाफ मोर्चा

भोपाल। मध्यप्रदेश के स्टोन क्रेशर कारोबारियों ने रॉयल्टी में वृद्धि, स्टांप ड्यूटी, सीमांकन प्रक्रिया और पर्यावरण स्वीकृति से जुड़ी समस्याओं को लेकर मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। इंदौर, भोपाल, धार, देवास, झाबुआ, अलीराजपुर, खंडवा, बुरहानपुर, आगर मालवा और शाजापुर जैसे जिलों में पहले ही खदानें बंद कर दी गई हैं। अब पूरे प्रदेश में उत्पादन और विक्रय पूरी तरह ठप रहेगा। हड़ताल के समर्थन में सोमवार को राजधानी भोपाल स्थित आईएसबीटी के पास एक होटल में क्रेशर संचालकों की प्रदेशस्तरीय बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से हड़ताल का निर्णय लिया गया। स्टोन क्रशर ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेंद्रपाल सिंह चावला ने कहा कि जब तक मांगें नहीं मानी जातीं, तब तक क्रशर नहीं चलेंगे। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि रॉयल्टी और स्टांप ड्यूटी की वर्तमान व्यवस्था अव्यवहारिक और नुकसानदायक है। अध्यक्ष चावला के अनुसार स्टांप ड्यूटी का निर्धारण अनुमानित उत्पादन क्षमता के आधार पर किया जा रहा है, जबकि उत्पादन हमेशा अनुमान पर निर्भर नहीं होता। उन्होंने मांग की कि स्टांप ड्यूटी का निर्धारण शासन द्वारा तय भूमि मूल्य के आधार पर किया जाए, ताकि पट्टेदारों को भी राहत मिले और सरकार को भी पर्याप्त राजस्व प्राप्त हो। सीमांकन की मौजूदा प्रक्रिया को लेकर भी आपत्ति जताई गई है। पहले जहां पटवारी द्वारा चेन सर्वे से सीमांकन किया जाता था, अब सैटेलाइट आधारित सर्वे से सीमांकन हो रहा है, जिससे जमीन की वास्तविक स्थिति में अंतर आ जाता है और पट्टेदारों पर अवैध उत्खनन के प्रकरण बनते हैं। एसोसिएशन ने इस प्रक्रिया में सुधार कर राजस्व और खनिज विभाग का संयुक्त अभियान चलाने की मांग की है। पर्यावरण स्वीकृति की जटिलताओं को भी एक बड़ी समस्या बताया गया है। महासचिव आलोक गोस्वामी ने कहा कि 9 सितंबर 2023 के पर्यावरण मंत्रालय के लेजिस्लेटिव ऑर्डर और एसओपी का सही पालन नहीं हो रहा, जिससे कई खदानें पर्यावरण मंजूरी से वंचित हैं। प्रदेश में स्टोन क्रेशर और गिट्टी-मुरम से जुड़ा सालाना कारोबार लगभग 1000 करोड़ रुपये का है। करीब दो हजार क्रशर संचालित होते हैं और सरकार को रोजाना 2 से 3 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति होती है। हड़ताल से जहां निर्माण गतिविधियां प्रभावित होंगी, वहीं एक लाख से अधिक लोगों के रोजगार पर भी संकट खड़ा हो गया है।

कैलाशनाथ काटजू हॉस्पिटल में मां ने एक साथ 4 बच्चों को दिया जन्म

भोपाल। कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय में ज्योति नाम की महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया। काटजू चिकित्सालय की नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे ने बताया की ज्योति की डिलीवरी 9 अप्रैल को हुई थी। शादी के पांच साल बाद ज्योति का गर्भ ठहरा था। यह डिलीवरी प्री टर्म थी एवं चारों बच्चों का वजन बहुत कम था। चार में से एक बच्चा एक किलो से भी कम का था और तीन बच्चों का वजन लगभग 1 किलो के आस पास ही था। काटजू चिकित्सालय में चारों बच्चों को सी पैप में रखा गया एवं सर्फेक्टेंट थेरेपी दी गयी। प्राइवेट हॉस्पिटल्स में सर्फेक्टेंट थेरेपी बहुत महँगी होती है, जो काटजू चिकित्सालय में निशुल्क प्रदान की गयी। चारों ही बच्चों को 60 दिन चिकित्सालय में ही रखकर उनकी देखभाल की गयी एवं आज 9 जून को चारों बच्चे स्वस्थ्य पाए जाने पर ज्योति को डिस्चार्ज किया गया। बच्चों की पूर्ण देखभाल डॉक्टर सुजाता जनवदे, डॉक्टर स्मिता सक्सेना, डॉक्टर ममता वर्मा, डॉक्टर प्रतिभा रैकवार डॉक्टर अमित कुमार चौहान एवं नर्सिंग स्टाफ द्वारा की गयी।

मप्र में जल्द ही आप शुरू करेगी संवाद यात्रा

भोपाल। आम आदमी पार्टी भोपाल से जल्द ही प्रदेश स्तरीय संवाद यात्रा शुरू करेगी। इस अभियान में भारी संख्या में आप कार्यकर्ता जुटेंगे। मध्यप्रदेश आप प्रभारी जीतेन्द्र सिंह तोमर ने संवाद यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि पार्टी ने मध्यप्रदेश में होने वाले स्थानीय चुनावों में सभी सीटों पर लड़ने का फैसला किया है। तोमर अपने संगठन को मजबूत करने के लिए 230 विधानसभाओ में प्रभारियों की नियुक्ति करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी जल्द ही पूरे मध्यप्रदेश में संवाद यात्रा शुरू करने जा रही है। ये अभियान भोपाल से शुरू होगा और इसका मकसद राज्य में बदलाव लाना है। जितेंद्र सिंह तोमर ने आगे कहा कि संवाद यात्रा का उद्देश्य राज्य में बदलाव लाना है। तोमर ने बताया कि हमने आज भोपाल में प्रदेश कार्यकर्ताओं की बैठक का दौर जारी है जो अगले एक हफ्ते तक जोन वाइज चलेगा। इस बैठक में सभी प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्ष एंव सभी कार्यकर्ताओं ने मध्यप्रदेश में परिवर्तन लाने का संकल्प लिया है।

डीआरएम ने विजेताओं को किया पुरस्कृत

भोपाल। मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में मंडल क्रीड़ा परिषद, पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल द्वारा 3 जून से 08 जून तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को मंडल रेल प्रबंधक त्रिपाठी द्वारा सम्मानित किया गया। प्रतिभाओं में जे. पी. यादव (क्रिकेट), कमल चावला (स्नूकर) एवं सुतनीषा असनानी (पॉवरलिफ्टिंग) प्रमुख रूप से शामिल रहे। समारोह के दौरान रेलवे अधिकारी विजय सिंह (वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी), प्रमोद जाधव (मंडल परिचालन प्रबंधक), विवेक अग्रवाल (मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता) एवं प्रिंस यादव (मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भोपाल रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता संपन्न

भोपाल। कटारा स्केटिंग रिंक पर 15वीं ओपन भोपाल रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश सहित विभिन्न स्थानों से आए 350 स्केटर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवानदास सबनानी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान रामेश्वर शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक भरुका एवं चैन सिंह ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अमर भटकर एवं अनिल भटकर को गोल्डन व्हील प्रदान कर सम्मानित किया। समापन अवसर पर रवींद्र यति ने प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों को पदक वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

ट्रक में घुसी कार, दो बहनों की मौत, तीन गंभीर

भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र में रविवार रात करीब 1.15 बजे तेज रफ्तार कार एक ट्रक से टकरा गई। हादसे में दो सगी बहनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक बहनें कटारा हिल्स की रहने वाली थीं और पार्टी के बाद घर लौट रही थीं। हुआ। दीपाली वर्मा (33) और शिखा वर्मा (29) अपने दोस्तों सक्षम जैन, सुयश चौहान और मनोराज के साथ एमपी नगर स्थित होटल में पार्टी करने गई थीं। पार्टी के बाद सभी कार से वापस लौट रहे थे। बागसेवनिया थाने के सामने जैसे ही उनकी कार पहुंची, ट्रक मिसरोद थाने के सामने कट पाइंट से टर्न ले रहा था, तभी करीब 100 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ रही कार सीधे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और सभी घायलों को सागर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दीपाली और शिखा को मृत घोषित कर दिया गया। तीनों घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। बागसेवनिया पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए यह भी जांच कर रही है कि ट्रक ड्राइवर की कोई गलती तो नहीं थी।

एक ही कॉर्निया से लौटी दो लोगों की रोशनी
बीएमएचआरसी में केरल से आया डोनेटेड कॉर्निया

भोपाल। भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) में केरल से प्राप्त एक डोनेटेड कॉर्निया के जरिए दो अलग-अलग मरीजों की आंखों की रोशनी वापस लाई गई है। यह सर्जरी डेसेमेट मेम्ब्रेन एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी (DMEK) तकनीक से की गई, जो भोपाल में संभवत: पहली बार हुई है। इस तकनीक की खास बात यह है कि एक ही कॉर्निया को दो भागों में विभाजित कर दो मरीजों के लिए उपयोग में लाया जाता है। बीएमएचआरसी प्रबंधन के अनुसार, इस बार कॉर्निया के एक हिस्से का उपयोग शहर के एक निजी अस्पताल में एक मरीज के सफल प्रत्यारोपण में किया गया, जबकि दूसरा हिस्सा बीएमएचआरसी में भर्ती गैस पीड़ित 66 वर्षीय मरीज की आंख में प्रत्यारोपित किया गया। सर्जरी बीएमएचआरसी के नेत्र विभाग में विजिटिंग कंसल्टेंट डॉ. प्रतीक गुर्जर ने विभागाध्यक्ष डॉ. हेमलता यादव की निगरानी में की। मरीज की एक आंख की रोशनी पहले ही मोतियाबिंद के असफल ऑपरेशन के कारण पूरी तरह चली गई थी। उसे कॉर्नियल एंडोथेलियल फेल्योर नाम की स्थिति थी, जिसमें आंख की सबसे अंदरूनी परत कार्य करना बंद कर देती है, और दृष्टि धुंधली हो जाती है। DMEK सर्जरी इस मामले में बेहद कारगर साबित हुई। इस प्रक्रिया की खासियत यह है कि इसमें टांके लगाने की जरूरत नहीं पड़ती और मरीज की दृष्टि अपेक्षाकृत जल्दी लौट आती है। डॉ. गुर्जर के अनुसार, कॉर्निया की दो प्रमुख परतें होती हैं—स्ट्रोमा (मध्य परत) और एंडोथेलियल (भीतरी परत)। नई तकनीकों की मदद से इन परतों को अलग-अलग कर दो मरीजों को लाभ पहुंचाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए डोनर के ऊतक (टिशु) की गुणवत्ता बहुत अच्छी होनी चाहिए और दोनों मरीजों की समस्याएं भिन्न हों। यह उपलब्धि न केवल भोपाल बल्कि मध्यप्रदेश के नेत्र उपचार क्षेत्र के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

खेती में जल संरक्षण की मिसाल बना एमपी

महाराष्ट्र की टीम करेगी सिपरी तकनीक की स्टडी

भोपाल। मनरेगा के तहत खेत-तालाब योजना और उससे जुड़ी तकनीकी नवाचारों को लेकर मध्यप्रदेश की एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हो रही है। अब महाराष्ट्र सरकार ने इस योजना और इसमें उपयोग हो रहे सिपरी सॉफ्टवेयर की स्टडी कराने का फैसला किया है। इसके तहत महाराष्ट्र सरकार का 9 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 12 और 13 जून को मध्यप्रदेश दौरे पर आएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत मनरेगा योजना से एमपी में अब तक 98 हजार से अधिक खेत-तालाब बनाए जा चुके हैं। इन तालाबों के निर्माण में आधुनिक तकनीक, विशेषकर सैटेलाइट आधारित 'सिपरी' सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जा रहा है, जिसे एमपीएसईडीसी और इसरो के सहयोग से विकसित किया गया है। यह सॉफ्टवेयर जल संरक्षण के लिए सबसे उपयुक्त स्थानों की पहचान करता है। मनरेगा परिषद के सीईओ अवि प्रसाद ने बताया कि एमपी मॉडल की प्रभावशीलता को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार इस योजना की गहराई से जानकारी लेना चाहती है। दो दिवसीय इस यात्रा में महाराष्ट्र का दल भोपाल और रायसेन जिले के सांची विकासखंड में जाकर फील्ड विजिट करेगा। साथ ही, वे विभाग द्वारा विकसित 'प्लानर एप' को भी समझेंगे, जिसके जरिए ग्राम पंचायत स्तर पर वार्षिक कार्ययोजना तैयार की जाती है। इससे पहले बिहार सरकार भी 6-7 जून को एमपी का दौरा कर चुकी है। बिहार के पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग की टीम ने भी सिपरी सॉफ्टवेयर और प्लानर एप का अध्ययन किया था। भारत सरकार भी खेत-तालाब योजना और इससे जुड़े तकनीकी नवाचारों की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में प्रशंसा कर चुकी है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com